www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

# भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

**मौसम**

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

**बाजार**

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 मुंबई बम धमाकों के सभी दोषी बरी, राष्ट्रीय सुरक्षा के भरोसे को झटका

थाईलैंड-कंबोडिया संघर्ष में मौत का आंकड़ा 33 हुआ 06

वर्ष :17 | अंक :116 | प्रयागराज ,रविवार , 27 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

**संक्षिप्त समाचार**

### गुरुग्राम में अवैध बांग्लादेशियों पर पुलिस का शिकंजा, 10 हिरासत में; निर्वासन की प्रक्रिया शुरू

गुरुग्राम पुलिस ने शनिवार को शहर में अवैध रूप से रह रहे दस बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया। उनके पास से बरामद पहचान दस्तावेजों से उनकी बांग्लादेशी राष्ट्रीयता की पुष्टि हुई। गुरुग्राम पुलिस के जनसंपर्क अधिकारी संदीप कुमार ने कहा, दस अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया गया है। उनके पास से बांग्लादेशी दस्तावेज बरामद किए गए हैं। उन्हें निर्वासित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस बीच, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को देश भर में बंगाली भाषी मुस्लिम नागरिकों को हिरासत में लिए जाने की निंदा की और उन्हें अवैध करार दिया। साथ ही, पुलिस प्रशासन पर उन्हें निशाना बनाने का आरोप लगाया क्योंकि वे पुलिस अत्याचारों का विरोध नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को अवैध प्रवासी करार दिया जा रहा है, वे सबसे गरीब लोग हैं, जो ज्यादातर झुग्गी-झोपड़ियों में रहते हैं और घरेलू नौकरों व कूड़ा बीनने का काम करते हैं। ओवैसी ने तर्क दिया कि उन्हें बार-बार इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि वे पुलिस अत्याचारों का विरोध नहीं कर सकते।

### इलाहाबाद हाईकोर्ट की बड़ी फटकार, मरीज एटीएम नहीं, निजी अस्पतालों की मनमानी पर रोक

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मरीजों के साथ गिनी पिग या एटीएम मशीन जैसा व्यवहार किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की है और एक गर्भवती महिला की मौत के मामले में उनके खिलाफ शुरू की गई आपराधिक कार्रवाई के खिलाफ एक डॉक्टर की याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार ने कहा कि आजकल नर्सिंग होम और अस्पतालों में अपर्याप्त डॉक्टरों या बुनियादी ढांचे के बावजूद मरीजों को इलाज के लिए लुभाना आम बात हो गई है। अदालत ने कहा कि चिकित्सा सुविधाओं ने मरीजों से पैसे ऐंठने के लिए उन्हें गिनी पिग/एटीएम मशीन की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इसलिए, अदालत ने नर्सिंग होम के मालिक डॉ. अशोक कुमार राय की याचिका खारिज कर दी, जिन्होंने एक गर्भवती महिला को प्रसव और सर्जरी के लिए भर्ती किया था, जबकि एनेस्थेटिस्ट नर्सिंग होम में देर से पहुँचा था और भ्रूण की मृत्यु हो गई थी। डॉक्टर ने इस मामले में अपने खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही को चुनौती दी थी। अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि चिकित्सा पेशेवरों को संरक्षण मिलना चाहिए, लेकिन उन लोगों को नहीं जो बिना उचित सुविधाओं, बुनियादी ढांचे या डॉक्टरों के नर्सिंग होम चला रहे हैं।

# ये नए भारत का संकल्प है, दुश्मन अब आंख उठाकर नहीं देख सकता

**कारगिल विजय दिवस पर बोले सेना प्रमुख**

**कारगिल विजय दिवस**

कारगिल विजय दिवस के मौके पर सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि श्मन अब आंख उठाकर नहीं देख सकता। ये नए भारत का संकल्प है। हमने हमेशा शांति का अवसर दिया पर कायरता का जवाब पराक्रम से दिया।

एजेंसी

नई दिल्लीः कारगिल विजय दिवस के मौके पर सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी का बड़ा बयान सामने आया है। सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर एक निर्णायक जीत है। ऑपरेशन सिंदूर संकल्प, संदेश और जवाब भी है। सरकार से मिली स्वतंत्रता से पाकिस्तान पर सटीक अटैक हुआ और पाकिस्तान को संदेश दिया, आतंकवाद को तबाह करेंगे।

उन्होंने कहा, हमने हमेशा शांति का अवसर दिया पर कायरता का जवाब पराक्रम से दिया। ऑपरेशन सिंदूर हमारा संकल्प है, संदेश भी और जवाब भी। पठानकोट में हुआ कायरतापूर्ण आतंकी हमला पूरे देश के लिए एक गहरी चोट था। लेकिन इस बार भारत ने न केवल शोक जताया, बल्कि ठान लिया कि अब जवाब निर्णायक होगा। देशवासियों का अटूट विश्वास और सरकार द्वारा दी गई रणनीतिक स्वतंत्रता से भारतीय सेना ने एक सुनियोजित, सटीक और निर्णायक जवाब दिया। भारतीय सेना ने 6-7 मई की रात को पाकिस्तान और 9 उच्च-स्तरीय आतंकियों को निशाना बनाया और ये बिना किसी मासूम नागरिक को नुकसान पहुंचाए हुआ। यह केवल जवाब नहीं था, यह स्पष्ट संदेश था कि आतंकवाद को सहारा देने वाले अब नहीं बचेंगे।

**सेना प्रमुख ने और क्या कहा?**

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कारगिल विजय दिवस के मौके पर कहा, पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को तबाह किया गया। सरकार से खुली छूट के चलते सटीक टारगेट को हिट किया गया। पाकिस्तान को उसी की भाषा में समझाया गया। आतंकियों के अड्डे तहस-नहस किए। ये नए भारत का संकल्प है। दुश्मन अब आंख उठाकर नहीं देख सकता। जो भारत के खिलाफ किसी भी साजिश को अंजाम देगा, उस पर आगे भी ऐसी कार्रवाई होगी।

**कारगिल के वीर सपूतों को याद कर भावुक हुए राष्ट्रपति-पीएम, दी भावभीनी श्रद्धांजलि**

कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर राष्ट्रपति मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी सहित राष्ट्र के नेताओं ने 1999 के कारगिल युद्ध के वीर सपूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। यह दिवस भारतीय सेना के असाधारण साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान का प्रतीक है, जिसे देश ने कृतज्ञतापूर्वक याद किया। कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर भारत ने उन वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की जिन्होंने 1999 में पाकिस्तान के साथ हुए कारगिल युद्ध में असाधारण साहस का परिचय दिया और अपने प्राणों की आहुति दी। यह दिवस युद्ध में भारत की विजय का स्मरण कराता है और देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए लड़ने वाले देश के सशस्त्र बलों के अटूट संकल्प की याद दिलाता है। राष्ट्रपति मुर्मू की श्रद्धांजलि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भावभीनी श्रद्धांजलि

देते हुए देश के जवानों की असाधारण वीरता और दृढ़ निश्चय पर जोर दिया। एक्स पर पोस्ट में उन्होंने कहा कि कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मैं मातृभूमि के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। यह दिवस हमारे जवानों की असाधारण वीरता, साहस एवं दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। देश के प्रति उनका समर्पण और सर्वोच्च बलिदान देशवासियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा।

# 'अंपायर पक्षपाती था, इसलिए हारी कांग्रेस'

लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) ने पार्टी कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों का चयन करने से पहले कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व उनके विचारों पर विचार करेगा।

एजेंसी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को एक बार फिर भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर निशाना साधा और गुजरात विधानसभा चुनावों में पार्टी की लगातार हार के लिए चुनाव आयोग को ज़िम्मेदार ठहराया। पार्टी के 'संगठन सुजन अभियान' शिविर के दौरान आणंद में कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं को संबोधित करते हुए, राहुल ने चुनाव आयोग को 'पक्षपाती' करार दिया और जोर देकर कहा कि गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उसके मुख्य आधार पर हराना जरूरी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) ने पार्टी कार्यकताओं को आश्वासन दिया कि विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों का चयन करने से पहले कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व उनके विचारों पर विचार करेगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व राज्य में अपने कार्यकताओं के साथ खड़ा है। पार्टी के 'संगठन सुजन अभियान' शिविर के बाद, कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने राहुल के भाषण की सराहना की, साथ ही चुनाव आयोग और सत्तारूढ़ भाजपा की कड़ी आलोचना की। कांग्रेस के सुरेंद्रनगर ज़िला प्रमुख नौशाद सोलंकी ने कहा कि राहुल ने अपने संबोधन में दावा किया कि अंपायर पक्षपाती था, जिसके कारण पार्टी 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव हार गई। सोलंकी ने कहा कि क्रिकेट में अगर आप बार-बार आउट हो जाते हैं, तो आप खुद पर शक करने लगते हैं। लेकिन फिर आपको एहसास होता है कि आप अपनी गलती की वजह से आउट नहीं हो रहे हैं। यह अंपायर है जो पक्षपात कर रहा है। राहुल जी ने यह बात कही और हमें आत्मविश्वास दिया। उन्होंने कहा कि हम 2017 के गुजरात चुनाव ईसीआई की संदिग्ध मतदाता सूची के कारण हारे थे उन्होंने कहा कि अगर हम गुजरात में भाजपा को हरा सकते हैं, तो पार्टी को हर जगह हराया जा सकता है। राजकोट कांग्रेस प्रमुख राजदीप सिंह जडेजा ने शिविर के बाद कहा कि राहुल ने पार्टी कार्यकताओं और नेताओं से विभिन्न शहरों और जिलों में लोगों के सामने आने वाले मुद्दों को उठाने को भी कहा है।

**राहुल गांधी ने चुनाव आयोग को ठहराया जिम्मेदार**

सोलंकी ने कहा कि राहुल ने देश की तुलना एक मंदिर से भी की, लेकिन दावा किया कि प्रसाद किसे मिलेगा, यह भाजपा और आरएसएस तय करते हैं। उन्होंने कहा, राहुल जी ने जोर देकर कहा कि भाजपा को उसके मुख्य गढ़ गुजरात में हराना बेहद जरूरी है। उन्होंने हमें बताया कि पार्टी का मानना है कि हमें उत्तर प्रदेश, बिहार और कुछ अन्य राज्यों में (भाजपा को हराने के लिए) कड़ी मेहनत करनी होगी।

# ऑपरेशन सिंदूर में मेक-इन-इंडिया की ताकत दिखी :पीएम मोदी

**स्वदेशी हथियारों ने आतंकी ठिकाने मिट्टी में मिलाए; आतंक के आकाओं की नींद उड़ाई**

पीएम मोदी ने कहा- आज भारत सरकार का मेक इन इंडिया और मिशन मैन्युफैक्चरिंग पर बहुत जोर है। लोगों ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मेक इन इंडिया की ताकत देखी है। आतंक के ठिकानों को मिट्टी में मिलाने में स्वदेशी हथियारों ने बड़ी भूमिका निभाई।

एजेंसी

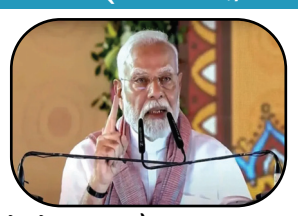

चेन्नई , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को तमिलनाडु के तूतीकोरिन में ?4,900 करोड़ से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें एयरपोर्ट का नया टर्मिनल, हाईवे, पोर्ट और रेलवे विकास, और पावर ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट शामिल हैं।भारत में बने हथियार आतंक के आकाओं की नींद उड़ाए हुए हैं। पीएम ने कहा- मेरा सौभाग्य है कि 4 दिनों की विदेश यात्रा के बाद मुझे भगवान श्री राम की इस पावन धरती पर आने का मौका मिला। मेरी इस यात्रा के दौरान भारत और इंग्लैंड के बीच ऐतिहासिक फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर समझौता हुआ। यह भारत पर दुनिया के बढ़ते विश्वास और भारत के नए आत्मविश्वास का प्रतीक है। पीएम मोदी ब्रिटेन और मालदीव दौरा खत्म करने के बाद दो दिनों के लिए तमिलनाडु पहुंचें। मोदी तूतीकोरिन में राज्य की पारंपरिक वेशभूषा, शर्ट-धोती पहनकर पहुंचे थे।

# बिहार में होमगार्ड भर्ती अभ्यर्थी से एंबुलेंस में गैंगरेप

**फिजिकल टेस्ट के दौरान दौड़ते समय बेहोश हुई, अस्पताल ले जा रहे ड्राइवर-टेक्नीशियन ने दरिंदगी की**

एजेंसी

बिहार के बोधगया में होमगार्ड भर्ती परीक्षा के दौरान बेहोश होने के बाद एक 26 वर्षीय महिला ने आरोप लगाया है कि चलती एम्बुलेंस में उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया। यह घटना कथित तौर पर 24 जुलाई को हुई जब शारीरिक परीक्षा के दौरान बेहोश होने के बाद उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था। पुलिस के अनुसार, महिला ने दावा किया कि गाड़ी में बेहोशी की हालत में कई लोगों ने उसके साथ मारपीट की। बोधगया पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। प्राथमिकी दर्ज होने के कुछ ही घंटों बाद, पुलिस ने दो संदिग्धों एम्बुलेंस चालक विनय कुमार और गाड़ी में सवार तकनीशियन अजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि दोनों फिलहाल हिरासत में हैं और पूछताछ चल रही है, गया पुलिस ने इस कार्रवाई को त्वरित और तत्काल बताया।

यह घटना कथित तौर पर 24 जुलाई को हुई जब शारीरिक परीक्षा के दौरान बेहोश होने के बाद उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था। पुलिस के अनुसार, महिला ने दावा किया कि गाड़ी में बेहोशी की हालत में कई लोगों ने उसके साथ मारपीट की। बोधगया पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया।

# लड़कियों को छेड़ते थे....

**राबड़ी देवी का सम्राट चौधरी पर संगीन आरोप, डिप्टी सीएम ने लालू-तेजस्वी का नाम ले किया पलटवार**

बिहार चुनाव की गहमागहमी में राबड़ी देवी ने उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर पुराने गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सम्राट बचपन में गुंडई और लड़कियों को छेड़ते थे। पलटवार करते हुए चौधरी ने कहा, राबड़ी देवी लालू यादव के अपराधी घोषित होने और बेटे की हार के डर से परेशान हैं। यह राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है।

एजेंसी

बिहार में जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक दल अपने प्रचार अभियान तेज कर रहे हैं। सत्ता-पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी चल रहा है। आरोप-प्रत्यारोप के ताजा दौर में, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी पर गुंडागर्दी और लड़कियों को परेशान करने का आरोप लगाया। राबड़ी देवी ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं उन्हें बचपन से जानती हूँ, वह बोरिंग रोड पर गुंडागर्दी करते थे। वह बोरिंग रोड पर लड़कियों को परेशान करते थे। पूर्व मुख्यमंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सम्राट चौधरी ने संवाददाताओं से कहा कि राबड़ी देवी इसलिए परेशान हैं।

# पाकिस्तान को सबक सिखाने में भारतीय सेना को नहीं लगे 22 मिनट: सीएम योगी

**पाकिस्तान को मजबूर होकर करना पड़ा समर्पण, सेना ने पाक के आंतकी कैंप को किया तहस-नहस**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित कारगिल विजय दिवस-25 कार्यक्रम में हुए शामिल .बोले, भारतीय सेना के साहस और पराक्रम को देखकर पाकिस्तान अमेरिका की शरण में पहुंचा, लेकिन सेना के सामने एक भी नहीं चली .

एजेंसी

लखनऊः पाकिस्तान और उसके आतंकवाद ने पुलवामा में 22 निर्दोष यात्रियों को अपना शिकार बनाया। वहीं भारतीय सेना को पूरे पाकिस्तान को सबक सिखाने में 22 मिनट भी नहीं लगे। उन्होंने पाकिस्तान के आतंकी कैंप को तहस-नहस कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पुलवामा में दुस्साहस करने वालों को कीमत चुकाने की बात कही थी। भारतीय सेना के साहस और पराक्रम को देखकर पाकिस्तान अमेरिका की शरण में पहुंचा। भारत एक मोर्चे पर कई देशों से लड़ रहा था। इसके बावजूद भारतीय सेना के सामने पाकिस्तान की एक नहीं चली। फिर अंत में पाकिस्तान को समर्पण के लिए मजबूर होना पड़ा। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कारगिल शहीद स्मृति वाटिका में आयोजित कारगिल विजय शहीद दिवस-25 कार्यक्रम में कही।

# महाभियोग की तलवार और सुप्रीम कोर्ट की चौखट

**जस्टिस वर्मा कैश कांड में 28 जुलाई को बड़ी सुनवाई**

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के नकदी बरामदगी मामले में 28 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में बड़ी सुनवाई होगी। उन्होंने अपने खिलाफ तीन न्यायाधीशों के पैनल की रिपोर्ट को चुनौती दी है, जिसमें जांच में प्राकृतिक न्याय के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। इस हाई-प्रोफाइल केस के बाद लोकसभा और राज्यसभा दोनों में उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव भी पेश किए गए हैं, जिससे न्यायपालिका में हड़कंप मच गया है।

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट सोमवार, 28 जुलाई को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा द्वारा दायर रिट याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें उनके खिलाफ तीन न्यायाधीशों के पैनल की रिपोर्ट को खारिज करने की मांग की गई है। न्यायमूर्ति वर्मा ने पिछले हफ़्ते सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर 'नकदी बरामदगी मामले' में उनके खिलाफ तीन न्यायाधीशों के आंतरिक जाँच पैनल के निष्कर्षों को चुनौती दी थी। याचिका में पैनल की रिपोर्ट को खारिज करने की मांग की गई है, जिसमें पुख्ता सबूत मिले थे और साथ ही तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा उनके खिलाफ महाभियोग चलाने की सिफारिश को भी चुनौती दी गई है।

**अपमान** भाजपा बोली- यह बाबा साहेब का अपमान

# उदित राज ने राहुल को बताया 'दूसरा अंबेडकर'

एजेंसी

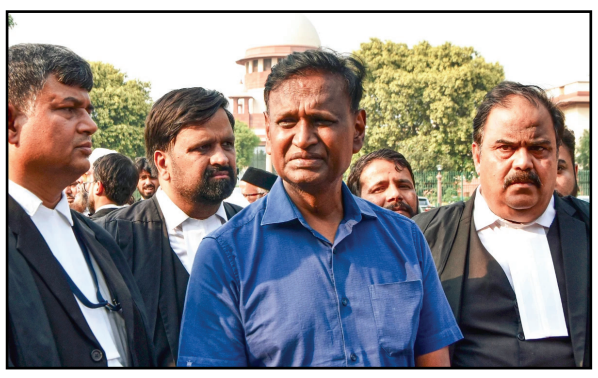

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता उदित राज द्वारा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तुलना डॉ. बीआर अंबेडकर से करने वाले बयान को लेकर शनिवार को कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक घमासान छिड़ गया। भाजपा ने कहा कि इस तरह की टिप्पणी दलितों के साथ-साथ समाज सुधारक का भी अपमान है। भागीदारी न्याय सम्मेलन में कल राहुल गांधी के भाषण से प्रेरित होकर कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अगर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लोग उनकी बातों पर ध्यान दें, तो ओबीसी उनके लिए दूसरे अंबेडकर साबित होंगे। उन्होंने आगे कहा कि ओबीसी को लोकसभा में विपक्ष के नेता के बयानों का समर्थन करना चाहिए। शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में राज ने कहा कि ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) को यह सोचना होगा कि इतिहास बार-बार प्रगति के अवसर नहीं देता। उन्हें तालकटोरा स्टेडियम सम्मेलन में राहुल गांधी द्वारा कही गई बातों का पालन और समर्थन करना चाहिए। अगर वे ऐसा करते हैं, तो राहुल गांधी उनके लिए दूसरे अंबेडकर साबित होंगे। उदित राज के पोस्ट के बाद, भाजपा ने बाबासाहेब आंबेडकर का कथित रूप से अपमान करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कांग्रेस पर आंबेडकर की विरासत को कम करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। मालवीय ने कहा, कांग्रेस अब एक और अंबेडकर को खोजने की चिंता में है। लेकिन देश जानता है कि कैसे कांग्रेस ने डॉ. अंबेडकर के साथ विश्वासघात किया और उनका बार-बार अपमान किया, जो इतिहास में दर्ज है। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह ऐतिहासिक विफलता के अलावा कुछ नहीं बन सकते। सवाल यह है कि कांग्रेस दूसरा नेहरू क्यों नहीं खोज रही? क्योंकि यह कोशिश डॉ. अंबेडकर की विरासत और महानता को कम करने की एक साजिश है।

और जहाँ तक राहुल गांधी की बात है, तो वह ऐतिहासिक विफलता के अलावा कुछ नहीं बन सकते। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस दूसरे बीआर अंबेडकर की बात कर रही है, जबकि उसने कभी असली अंबेडकर का सम्मान नहीं किया।

भाजपा ने कहा कि इस तरह की टिप्पणी दलितों के साथ-साथ समाज सुधारक का भी अपमान है। भागीदारी न्याय सम्मेलन में कल राहुल गांधी के भाषण से प्रेरित होकर कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अगर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लोग उनकी बातों पर ध्यान दें, तो ओबीसी उनके लिए दूसरे अंबेडकर साबित होंगे।

# पीएम मोदी की ट्रंप के साथ दोस्ती खोखली साबित हो रही है... जयराम रमेश का केंद्र सरकार पर तंज

एजेंसी

नयी दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने शनिवार को मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए भारतीय कूटनीति की विफलता का आरोप लगाया और कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री की दोस्ती खोखली साबित हो रही है। कांग्रेस (महासचिव) के संचार प्रभारी रमेश ने एक्स पर लिखा कि 19 जून, 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा चीन को क्लीन चिट देने की भारत को पहले ही भारी कीमत चुकानी पड़ी है। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी बहुप्रचारित दोस्ती अब खोखली साबित हो रही है। रमेश ने कहा कि भारतीय कूटनीति की घोर विफलता, खासकर पिछले दो महीनों में, चार तथ्यों से सबसे ज्यादा उजागर होती है। ये तथ्य प्रधानमंत्री और उनके ढोल पीटने वालों और जयजयकार करने वालों के बड़े-बड़े दावों की पोल खोलते हैं। 10 मई, 2025 से अब तक राष्ट्रपति ट्रंप 25 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप किया था। उन्होंने भारत और पाकिस्तान को धमकी दी है कि अगर उन्होंने युद्ध नहीं रोका, तो वे अमेरिका के साथ व्यापार समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि 10 जून, 2025 को, शक्तिशाली अमेरिकी मध्य कमान के प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला, आतंकवाद का मुकाबला करने में पाकिस्तान को अमेरिका का एक अभूतपूर्व साझेदार बताते हैं।

रमेश ने कहा कि भारतीय कूटनीति की घोर विफलता, खासकर पिछले दो महीनों में, चार तथ्यों से सबसे ज्यादा उजागर होती है। ये तथ्य प्रधानमंत्री और उनके ढोल पीटने वालों और जयजयकार करने वालों के बड़े-बड़े दावों की पोल खोलते हैं।

## सम्पादकीय

# जहां निर्माण, वहां भ्रष्टाचार; सरकारी भवनों के निर्माण में लापरवाही

राजस्थान के झालावाड़ में सरकारी स्कूल का जर्जर भवन गिरने से बच्चों की मौत और घायल होने की घटना सरकारी भवनों की लापरवाही दशार्ती है। घटनाओं के बाद जांच और कार्रवाई की बातें होती हैं पर नतीजा कुछ नहीं निकलता। सवाल यह है कि क्या इसके लिए झालावाड़ की घटना का इंतजार था ?राजस्थान के झालावाड़ में एक सरकारी स्कूल का जर्जर भवन गिरने से कई बच्चों की मौत होना और अनेक का गंभीर रूप से घायल हो जाना यह बताता है कि अपने देश में सरकारी भवनों के निर्माण और उनकी देखरेख में कितनी अधिक लापरवाही बरती जाती है। इस तरह की घटनाएं देश के विभिन्न हिस्सों में रह-रहकर होती ही रहती हैं। जब किसी घटना में जनहानि होती है तो शोक जताने के साथ जांच, कठोर कार्रवाई करने की खूब बातें होती हैं, पर नतीजा ढाक के तीन पात वाला रहता है। चूंकि ऐसी ज्यादातर बातें दिखावटी होती हैं, इसलिए घटना-दुर्घटना की तह तक कभी नहीं जाया जाता और न ही जिम्मेदार लोगों को समय रहते ऐसा दंड दिया जाता है, जिससे अन्य सबक सीखें। झालावाड़ की घटना पर भी कहा जा रहा है कि स्कूल का भवन गिरने की घटना को बहुत गंभीरता से लिया गया है। खुद मुख्यमंत्री ने घटना का संज्ञान लिया है। शिक्षा विभाग ने आदेश जारी किया है कि जर्जर हो गए स्कूलों में बच्चों को न बैठाएं। क्या ऐसा आदेश जारी करने के लिए झालावाड़ की घटना का इंतजार किया जा रहा था ? शिक्षा निदेशक ने प्रदेश भर के जर्जर स्कूली भवनों की रिपोर्ट मांग ली है। क्या उन्हें नहीं पता था कि राजस्थान में सरकारी स्कूलों की कई इमारतें जर्जर हैं और उनमें बच्चों का पढ़ना जानलेवा साबित हो सकता है ? क्या ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी ?यदि यह सच है कि झालावाड़ के जर्जर स्कूली भवन की मरम्मत के लिए पैसा स्वीकृत हो गया था, लेकिन फाइल अटकी पड़ी थी तो यह भी एक तरह की आपराधिक लापरवाही है। बात केवल राजस्थान के झालावाड़ के खस्ताहाल स्कूली भवन की ही नहीं है। देश में न जाने कितने सरकारी भवन ऐसे हैं, जो जर्जर हैं। आए दिन सरकारी भवनों की खस्ताहाल स्थिति के साथ सड़कों के धंसने, पुलों के गिरने की खबरें आती ही रहती हैं। ऐसा इसलिए है कि जहां निर्माण, वहां भ्रष्टाचार भारत की एक कटु सच्चाई है ।सरकारी निर्माण मानकों की अनदेखी करके किया जाता है। इसका मूल कारण भ्रष्टाचार है। हर तरह के सरकारी निर्माण में रिश्वत का बोलबाला है। नेता-नौकरशाह इसके बारे में सब जानते हैं। कई बार तो वे खुद कमीशनखोरी में शामिल रहते हैं। दुखद यह है कि कोई भी हालात बदलने के लिए तैयार नहीं। केवल निर्माण में ही भ्रष्टाचार नहीं है। इसके साथ-साथ इमारतों, सड़कों, पुलों आदि की देखरेख और उनकी मरम्मत में भी घोटाले होते हैं।

## आज का विचार

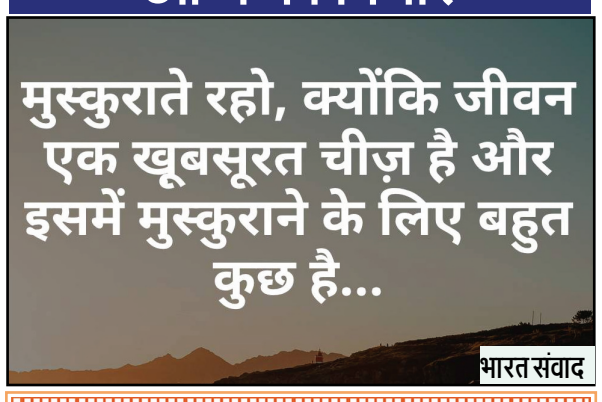


## राशिफल

**मेष राशि:** करियरः आज काम में सकारात्मक परिणाम मिलेंगे. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और सहयोगियों का साथ मिलेगा. बिजनेसः बड़े निवेश में फायदा मिलने की संभावना है. पुराने प्रोजेक्ट्स से भी लाभ होगा.धनः रुका हुआ पैसा वापस मिलने के योग हैं. शिक्षाः छात्रों को अच्छे परिणाम मिलेंगे और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है लव/पारिवारिकः जीवनसाथी के साथ रिश्ते मधुर होंगे.

**वृषभ राशि :** करियरः आज आपकी मेहनत रंग लाएगी और कार्यस्थल पर सम्मान मिलेगा. बिजनेसः व्यापार में स्थिरता रहेगी, नई योजनाओं से लाभ संभव है.धनः घर-परिवार पर खर्चा हो सकता है. सोच-समझकर निवेश करें. शिक्षाः पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ेगी.लव/पारिवारिकः मतभेद खत्म होंगे और दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी.

**मिथुन राशि:** करियरः कार्यक्षेत्र में उतार-चढ़ाव रहेगा. किसी नई नौकरी का अवसर मिल सकता है.बिजनेसः लेन-देन के मामलों में सावधानी रखें.धनः खर्चों पर नियंत्रण रखें.शिक्षाः छात्रों को कड़ी मेहनत करनी होगी.

**कर्क राशि:** करियरः योजनाबद्ध तरीके से काम करने से लाभ मिलेगा. बिजनेसः नई साझेदारी से फायदा हो सकता है. धनः धन लाभ के अवसर बनेंगे. शिक्षाः पढ़ाई में नई ऊर्जा महसूस होगी.

**सिंह राशि:** करियरः वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा. काम में तरक्की के योग हैं. बिजनेसः नया कॉन्ट्रैक्ट या डील फाइनल हो सकती है. धनः रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा. शिक्षाः छात्रों के लिए समय शुभ रहेगा.लव/पारिवारिकः परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा.

**कन्या राशि :** करियरः काम का दबाव रहेगा, धैर्य से काम लें. बिजनेसः व्यापार में नए अवसर मिलेंगे. धनः अनावश्यक खर्चों से बचें.शिक्षाः किसी नए प्रोजेक्ट पर ध्यान दें. लव/पारिवारिकः रिश्तों में सामंजस्य बनाए रखें. उपायः हरी सब्जियों का दान करें.

**तुला राशि:** करियरः काम में सफलता मिलेगी और प्रमोशन की संभावना है. बिजनेसः रुका हुआ पैसा वापस आएगा. धनः विलासिता की वस्तुओं पर खर्च होगा. शिक्षाः छात्रों के लिए दिन लाभदायक रहेगा. लव/पारिवारिकः परिवार में प्रेम और एकता बनी रहेगी.

**वृश्चिक राशि :**करियरः मेहनत का पूरा फल मिलेगा. बिजनेसः कारोबार में लाभ होगा. धनः परिवार पर धन खर्च होगा. शिक्षाः विद्यार्थियों को पढ़ाई में मन लगाना होगा. लव/पारिवारिकः रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेंगी. उपायः किसी बुजुर्ग की सेवा करें.

**धनु राशि :** करियरः नौकरी में नए अवसर मिल सकते हैं.बिजनेसः नई योजना लाभ देगी. धनः रुके हुए पैसे वापस मिलेंगे. शिक्षाः विद्यार्थियों को मेहनत का फल मिलेगा. लव/पारिवारिकः परिवार में खुशी का माहौल रहेगा.उपायः हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाएं.

**मकर राशि :** करियरः दिन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा, पर प्रयास सफल होंगे. बिजनेसः प्रॉपर्टी से लाभ हो सकता है. धनः आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी. शिक्षाः विद्यार्थी नए लक्ष्य तय करेंगे.

**कुंभ राशि :** करियरः जिम्मेदारियों को सही समय पर पूरा करेंगे.बिजनेसः फैशन और क्रिएटिव क्षेत्र से लाभ होगा. धनः आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी.शिक्षाः छात्रों को पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिलेंगे. लव/पारिवारिकः लव लाइफ शानदार रहेगी.

**मीन राशि :** करियरः कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी. बिजनेसः नए प्रोजेक्ट्स से लाभ होगा. धनः आय के नए स्रोत बनेंगे.शिक्षाः छात्र कड़ी मेहनत करें.लव/पारिवारिकः पुराने दोस्त से मुलाकात खुशी देगी.उपायः मछलियों को आटा खिलाएं.लकी कलरः सिल्वरलकी नंबरः 12

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

# मुंबई बम धमाकों के सभी दोषी बरी, राष्ट्रीय सुरक्षा के भरोसे को झटका

**बरी किए गए छोटे-मोटे अपराधी नहीं बल्कि ज्ञात आतंकी संगठनों से जुड़े लोग थे। यह मानना कि वे शांतिपूर्वक समाज में शामिल हो जाएंगे भोलापन है। आशंका है कि रिहाई उन्हें आतंकी नेटवर्क के साथ फिर से जुड़ने तथा और आतंकी हमलों की साजिश बुनने में सक्षम बना सकती है। हाई कोर्ट का फैसला आपराधिक न्याय प्रणाली में जनता के विश्वास को कम करता है।**

7/11 मुंबई ट्रेन विस्फोटों के लगभग दो दशक बाद बांबे हाई कोर्ट द्वारा सभी 12 दोषियों को बरी करने के फैसले ने देश को झकझोर दिया। इसमें 180 से ज्यादा लोग मारे गए थे और 800 से अधिक घायल हुए थे। न्यायिक स्वतंत्रता और कानून का शासन हमारे लोकतंत्र के आधार स्तंभ हैं, पर इतने बड़े मामले में आपराधिक न्याय प्रणाली का ध्वस्त होना न केवल कानूनी, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर सवाल खड़े करता है। सितंबर 2015 में आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) के नेतृत्व में नौ साल की लंबी जांच के बाद महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) की एक विशेष अदालत ने इन बम विस्फोटों में 13 में से 12 अभियुक्तों को दोषी ठहराया था। पांच को मौत की सजा, सात को आजीवन कारावास और एक को बरी कर दिया गया था। मौत की सजा पाए एक दोषी कोविड के कारण जेल में मर गया था। बांबे हाई कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित करने में ह्यपूरी तरह विफलह्ल रहा और सभी 12 लोगों को बरी कर दिया। हाई कोर्ट की टिप्पणियां प्रक्रियात्मक कठोरता पर आधारित हैं। विशेष अदालत ने जिन साक्ष्यों के आधार पर दोषसिद्धि के लिए पर्याप्त आधार पाया था, उन्हें ही खारिज करना न केवल पीड़ितों और जांच के लिए अनुचित है, बल्कि खतरनाक भी। बरी किए गए छोटे-मोटे अपराधी नहीं, बल्कि ज्ञात आतंकी संगठनों से जुड़े लोग थे। यह मानना कि वे शांतिपूर्वक समाज में शामिल हो जाएंगे, भोलापन है। आशंका है कि रिहाई उन्हें आतंकी नेटवर्क के साथ फिर से जुड़ने तथा और आतंकी हमलों की साजिश बुनने में सक्षम बना सकती है। हाई कोर्ट का फैसला आपराधिक न्याय प्रणाली में जनता के विश्वास को कम करता है। जब बड़े आतंकी मामलों में न्याय से इन्कार होता दिखता है तो लोग उचित प्रक्रिया में विश्वास खोने लगते हैं। इसके चलते मीडिया ट्रायल और न्यायेतर कार्रवाई की मांग होती है। हैदराबाद में दुष्कर्मियों के मुठभेड़ मामले में ऐसा देखा गया। ऐसे फैसले आतंकवाद के प्रति सख्त राष्ट्र के रूप में भारत की वैश्विक छवि को भी कमजोर करते हैं। बालाकोट हमले, आपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाइयों और ह्यकिसी भी आतंकी कृत्य को युद्ध माना जाएगाह्ल जैसी घोषणाओं ने ताकत का प्रदर्शन किया, पर 7/11 के मामलों में आतंकियों के बरी होने से यह धारणा बनती है कि भारत आतंकवाद के मामले में एक ह्यनरम राज्यह्ल है। एटीएस और एनआइए जैसी एजेंसियों के लिए यह नतीजा बेहद निराशाजनक है। वर्षों की उच्च जोखिम वाली जांच और मेहनत की अनदेखी की जा रही है। यह उचित प्रक्रिया या निष्पक्ष सुनवाई को छोड़ने का तर्क नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आघात और सुरक्षा खतरों से जुड़े मामलों में न्यायिक संवेदनशीलता का आह्वान है। विशुद्ध रूप से प्रक्रियात्मक दृष्टिकोण से जनता के विश्वास, मनोबल और सुरक्षा को कमजोर करने का जोखिम भी है। बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाने वाले आतंकवाद को बिना सजा के नहीं छोड़ा जा सकता है। न ही संदिग्धों को आतंकी नेटवर्क में फिर से शामिल होने के लिए रिहा किया जा सकता है। आतंकियों का बरी होना जांच, अभियोजन और न्याय प्रणाली में सुधार के लिए एक चेतावनी है। भारत की औपनिवेशिक युग की आपराधिक न्याय प्रणाली आतंकवाद का सामना करने में सक्षम नहीं। आतंकी उन्नत उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं और बहुत कम सुबूत छोड़ते हैं, फिर भी यह व्यवस्था प्रत्यक्षदर्शियों जैसे पारंपरिक प्रमाणों की मांग करती है। नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा करना महत्वपूर्ण है, लेकिन पुराने मानदंडों का आंख मूंदकर पालन करने से उच्च जोखिम वाले राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों में न्याय से समझौता नहीं होना चाहिए। यह मामला न्यायपालिका को गंभीर आत्मचिंतन के लिए बाध्य करता है। दो अदालतें इतने अलग-अलग नतीजों पर कैसे पहुंच सकती हैं? एक मौत की सजा सुनाती है, दूसरी पूरी तरह से बरी कर देती है? उड़ीसा उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और अब वरिष्ठ अधिवक्ता एस. मुरलीधर का दो आरोपियों का प्रतिनिधित्व करने में शामिल होना जटिलता को बढ़ाता है। जहां निष्पक्ष कानूनी प्रतिनिधित्व एक मौलिक अधिकार है, वहीं एक पूर्व शीर्ष न्यायाधीश की भागीदारी नैतिक और संस्थागत चिंताओं को जन्म देती है। भारत की आंतरिक सुरक्षा और आतंकवाद के मामलों में न्याय सुनिश्चित करने के लिए सुधार और संस्थागत आत्मनिरीक्षण जरूरी हैं। आपराधिक न्याय प्रणाली में पुलिस, अभियोजन और न्यायपालिका शामिल हैं। पुलिस इलेक्ट्रानिक निगरानी, साइबर फोरेंसिक और बहुभाषी खुफिया जानकारी जैसी बदलती तकनीक के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश कर रही है। न्यायपालिका को भी तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल बिठाना होगा। यूएपीए, मकोका और सीआरपीसी जैसे कानून एन्क्रिप्टेड डाटा, विदेशी संचालकों और छद्म युद्ध से निपटने के लिए विकसित हो रहे हैं, फिर भी न्यायिक देरी, असंगत फैसले और बाहरी प्रभाव परिणामों में बाधा बन रहे हैं। सुधारों में न केवल जांचकताओं के लिए, बल्कि न्यायाधीशों और अभियोजकों को भी राष्ट्रीय सुरक्षा कानून में विशेष प्रशिक्षण की जरूरत है। गवाहों की सुरक्षा और फोरेंसिक प्रोटोकाल को मजबूत करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। गवाह अक्सर बड़े अपराधियों की धमकियों के आगे झुक जाते हैं। न्याय अपने परिणामों से अनभिज्ञ होकर, अलग-थलग होकर काम नहीं कर सकता है। 7/11 के दोषियों का बरी होना भारत की संस्थागत परिपक्वता की परीक्षा है। सुप्रीम कोर्ट ने बांबे हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। अब सुरक्षा के प्रति सचेत दृष्टिकोण के साथ मामले की फिर से जांच करनी होगी। क्या वह व्यवस्था, जिसने मुंबई के सबसे घातक ट्रेन हमले के लिए किसी को भी दोषी नहीं पाया, न्याय सुनिश्चित करने का दावा कर सकती है? सुप्रीम कोर्ट को न केवल कानूनी दृष्टि से, बल्कि राष्ट्रीय जवाबदेही की भावना से भी इस मामले पर विचार करना होगा।

# भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता: एक क्रांतिकारी कदम

**ललित गर्ग**

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की अंतिम स्वीकृति ने न केवल वैश्विक व्यापार जगत में हलचल मचा दी है, बल्कि भारत के आर्थिक भविष्य को भी एक नई दिशा दी है। दोनों देशों के बीच आखिरकार फ्री ट्रेड एग्रीमेंट होने का फायदा दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को मिलेगा। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से संरक्षणवाद बढ़ा है, उसमें ऐसे व्यापार समझौतों की भूमिका और भी अहम हो जाती है। इस समझौते से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न केवल अमेरिका बल्कि अन्य देशों को भी भारत की मजबूत होती स्थिति का आइना दिखाया है, जो उनकी दूरगामी एवं कूटनीतिज्ञ राजनीति का द्योतक है। इस समझौते को मौजूदा दौर में दुनियाभर में जारी बहुस्तरीय तनाव, दबाव एवं दादागिरी की राजनीति के बीच एक बेहतर एवं सूझबूझभरी कूटनीतिक कामयाबी के तौर पर देखा जा सकता है। यह छिपा नहीं है कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने शुल्क के मोर्चे पर एक बड़ा द्वंद्व एवं संकट खड़ा कर दिया था। लेकिन भारत ने इस द्वंद्व के बीच झुकने की बजाय नये रास्ते खोजे हैं। निश्चित ही यह व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) महज एक कागजी करार नहीं, बल्कि ह्यविकसित भारत 2047ह्ल के स्वप्न को मूर्त रूप देने की ठोस रणनीति है। जहां एक ओर यह समझौता 99 प्रतिशत टैरिफ को समाप्त कर वस्त्र, चमड़ा, समुद्री उत्पाद, कृषि व रत्न-आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को नई उड़ान देगा, वहीं दूसरी ओर छोटे उद्यमों, मछुआरों और किसानों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाएगा। भारत के ग्रामीण अंचलों से हल्दी, दाल, अचार जैसे उत्पाद अब ब्रिटिश बाजारों में अपनी महक फैलाएंगे।

मोदी सरकार ने पिछले एक दशक में जिस प्रकार से गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता पर जोर दिया, उसी का परिणाम है यह करार। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि अब भारत केवल बाजार नहीं, बल्कि एक निर्णायक शक्ति बन चुका है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए विश्व से संवाद करता है। यह समझौता सिर्फ व्यापार तक सीमित नहीं है, यह सेवा क्षेत्र, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, निवेश, सामाजिक सुरक्षा, और दोहरे कराधान जैसे क्षेत्रों में भी भारतीयों के लिए नए दरवाजे खोलता है। खासकर ब्रिटेन में काम कर रहे भारतीय पेशेवरों के लिए यह राहत का संदेश है, जिन्हें सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट मिल सकेगी। यह समझौता इसलिये भी महत्वपूर्ण है कि अब तक अमेरिका की ओर से पैदा किये गये किसी दबाव के आगे भारत ने झुकना स्वीकार नहीं किया और उसने भारत-ब्रिटेन जैसे नये विकल्पों को खड़ा करने और पुराने को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाये हैं।

ब्रिटेन के साथ यह एफटीए एक उदाहरण है कि कैसे भारत न्यायसंगत और समावेशी व्यापार समझौते कर सकता है, जिसमें न तो अपने किसानों, न ही डेयरी क्षेत्र या छोटे उत्पादकों को नुकसान होता है। भारत ने संवेदनशील क्षेत्रों को समझौते से बाहर रखकर आत्मनिर्भरता और खाद्य सुरक्षा की अपनी नीति को बरकरार रखा है। वर्तमान में भारत का वैश्विक व्यापार लगभग 21 अरब डॉलर है, जो इस समझौते के बाद 2030 तक 120 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना रखता है। यह न केवल विदेशी निवेश को आकर्षित करेगा, बल्कि भारत की मैन्युफैक्चरिंग हिस्सेदारी को 17 प्रतिशत से 25 प्रतिशत तक बढ़ाने में सहायक होगा। इस करार के साथ, मोदी सरकार ने साबित कर दिया है कि जब नियोजित दृष्टिकोण, वैश्विक प्रतिष्ठा और साहसिक निर्णय साथ चलते हैं, तो भारत जैसे विकासशील देश भी वैश्विक मंच पर निर्णायक बन सकते हैं।भारत और ब्रिटेन के बीच सीईटीए के अस्तित्व में आने से एक नये आर्थिक सूर्य का उदय हुआ है, जिससे रोजगार सहित अनेक उन्नत राष्ट्र-निर्माण के अवसर सृजित होंगे। सीईटीए की संकल्पना आस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात और कुछ अन्य देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों के अनुरूप ही है। यह मोदी सरकार की भारत को 2047 तक विकसित बनाने की संकल्पना से जुड़ी रणनीति का एक हिस्सा है। मोदी सरकार ने भारत को तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने के अपने संकल्प में नये पंखों को जोड़ते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को फिर से स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई है। विकसित देशों के साथ एफटीए इस रणनीति के केंद्र में है। ऐसे समझौते व्यापार नीतियों से जुड़ी अनिश्चितताओं को दूर करके निवेशकों का विश्वास बढ़ाते हैं। पिछली यूपीए सरकार ने भारत के व्यापारिक दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने वाला रवैया अपनाया था, लेकिन अतीत की उन बड़ी भूलों को सुधारा जा रहा है, जो नये भारत-विकसित भारत का आधार है।मोदी के मेड इन इंडिया संकल्प की दृष्टि से यह डील बेहद अहम है। इससे करीब 99 प्रतिशत निर्यात यानी यहां से ब्रिटेन जाने वाली चीजों पर टैरिफ से राहत मिलेगी। इसी तरह ब्रिटेन से आनी वाली चीजें भारत में सस्ती मिल सकेंगी। जिससे आम लोगों को अधिक गुणवत्ता वाला सामान सस्ते में सुलभ होगा और जीवनस्तर में व्यापक सुधार होगा। डील से एक बड़ा फायदा होगा टेक्सटाइल्स, लेदर और इलेक्ट्रॉनिक्स को। इनसे मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा। अभी ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.8 प्रतिशत है, जबकि चीन की 28.8 प्रतिशत। इसी तरह, देश की जीडीपी में मैन्युफैक्चरिंग का योगदान 17 प्रतिशत है और सरकार इसे 25 प्रतिशत तक बढ़ाना चाहती है। इस तरह की डील से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर प्रदर्शन में सुधार होगा। कृषि सेक्टर को भी उन्नत बनाने एवं अधिक उत्पाद की दृष्टि से व्यापक फायदा होगा। इसके लिए इस समय भारत की बातचीत अमेरिका से भी चल रही है। लेकिन वहां कृषि और डेयरी प्रॉडक्ट्स को लेकर रस्साकशी है। अमेरिका इन दोनों क्षेत्रों में खुली छूट चाहता है, जबकि अपने लोगों के हितों को देखते हुए भारत ऐसा नहीं कर सकता। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार होने से भारत के कृषि उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।क्रांतिकारी सुधारों, नवाचार, तकनीक, कारोबारी सुगमता और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आर्थिक सूरज के रूप में उभारने में मदद की है, जहां विपुल संभावनाएं हैं। आज दुनिया भारत की ओर आशाभरी नजरों से देख रही है और भारत की अद्भुत विकासगाथा का हिस्सा बनना चाहती है। प्रमुख देशों द्वारा एक के बाद एक एफटीए इसी मान्यता की पुष्टि करते हैं। ब्रिटेन के साथ यह व्यापार समझौता बाजार पहुंच और प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिलाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के एफटीए वस्तुओं और सेवाओं से कहीं आगे तक सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं नागरिक हितों तक जाते हैं।

# मेवात में खाता फ्रीज बना नासूर

**राजेश खण्डेलवाल**

साइबर क्राइम के कारण आए दिन सुर्खियों में रहने वाले मेवात में बहुतेरे दुकानदार अपने बैंक खातों के फ्रीज होने की समस्या से जूझ रहे हैं। राजस्थान के मेवात में साइबर ठगी की बढ़ती वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए भरतपुर पुलिस ने ऑपरेशन एंटी-वायरसह्ल शुरू किया जिसके सार्थक परिणाम भी सबके सामने आए लेकिन दुकानदार आज भी बैंक खाता फ्रीज होने जैसी समस्या से छुटकारा मिलने की राह ताक रहे हैं। बैंक अधिकारियों का तर्क है कि दुकानदार के खाते में फ्रॉड की राशि ऑनलाइन ट्रांसफर होने पर पुलिस उनके खातों को फ्रीज करने का निर्देश देती है जिसकी पालना करना हमारी मजबूरी है। वहीं पुलिस अफसरों का तर्क यह होता है कि यह अनुसंधान का मामला है, इसलिए खाते फ्रीज कराना जरूरी है। वहीं दुकानदारों का कहना है कि उनके पास ऐसा कोई पैमाना नहीं है, जिससे यह तय हो सके कि ग्राहक उन्हें जो ऑनलाइन पैमेंट कर रहा है कि वह राशि फ्रॉड की है या सुरक्षित है। उन्हें तो पता तब चलता है कि जब उनका बैंक खाते से लेनदेन ही बंद हो जाता है। बैंक पहुंचते हैं तो पता चलता है कि पुलिस ने उनके खाते का फ्रीज करा दिया है ।हालात यह है कि किसी दुकानदार का गुजरात की क्राइम ब्रांच ने तो किसी अन्य दुकानदार का तमिलनाडू की क्राइम ब्रांच ने खाता फ्रीज कराया है। पुलिस थानों में चक्कर काटते हैं तो भी उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिल पाता है। दुकानदारों का कहना है कि इससे उन्हें व्यापार करने में काफी परेशानी आ रही है। मेवात में बैंक खाता फ्रीज होने जैसी समस्या से जूझते कई दुकानदारों ने तो ऑनलाइन पैमेंट लेना ही बंद कर दिया है। दुकानदारों के इस तरह के कदम से उन ग्राहकों को असुविधा झेलनी पड़ रही है जो सही तरीके से ऑनलाइन पैमेंट करना चाहते हैं और उनकी जेब में नकदी नहीं होती है। राजस्थान के मेवात में ऐसे सैंकड़ों की संख्या में बैंक खाते हैं जो अब भी फ्रीज पड़े हैं और दुकानदार बैंक और पुलिस के चक्कर काटते-काटते थक चुके हैं।वर्ष 2024 में ऑपरेशन एंटी-वायरस तत्कालीन आईजी राहुल प्रकाश को इसलिए शुरू करना पड़ा कि डीग देश में साइबर अपराध का नम्बर वन हॉट स्पॉट बन गया था। यहां के साइबर अपराधियों से देश के हर प्रदेश के लोग त्रस्त थे। कुछ मामलों में तो पीड़ितों ने आत्महत्या तक कर ली थी। ऐसे कारणों से साइबर अपराध पर अंकुश लगाना सरकार के प्राथमिकताओं में शामिल हुआ। स्थिति ऐसी हो गई कि देश के कुल साइबर अपराधों में से 21 फीसदी केवल डीग से हो रहे थे। ऑपरेशन एंटी-वायरस के तहत पुलिस ने मेवात में गांव-गांव जाकर धर्मगुरुओं, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों के साथ पंचायत कर समझाया। इतना ही नहीं, गांव के युवाओं को यह समझाया कि साइबर क्राइम का रास्ता आपका भविष्य खराब कर देगा। पुलिस ने स्कूल, कॉलेजों में साइबर कानून और सुरक्षा को लेकर विद्यार्थियों को जागरूक करने का प्रयास किया। राजस्थान के मेवात में साइबर ठगी जैसे गोरखधंधे में युवा ही नहीं बल्कि बच्चे भी लिप्त पाए गए, जिन्हें उनके ठिकानों से पुलिस ने दबोचा। मेवात में कई बार पुलिस को विरोध भी झेलना पड़ा लेकिन पुलिस ने अपनी रणनीति से साइबर ठगों के मंसूबों पर पानी फेरा। मेवात में साइबर अपराध के खिलाफ माहौल बनने लगा तो जिम्मेदार ग्रामीण भी पुलिस की मदद करने को आगे आने लगे। इन मददगार ग्रामीणों ने सैंकड़ों मोबाइलों को तोडने. के साथ ही आग के हवाले कर दिया ।पुलिस ने ऑपरेशन एंटी-वायरस के तहत करीब सवा छह सौ मामले दर्ज कर 2 हजार से ज्यादा साइबर अपराधियों को पकड़ा जिनसे नकदी बरामद करने के साथ ही फर्जी सिम कार्ड, चोरी के मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड और 300 से ज्यादा वाहन जब्त किए। पुलिस की रणनीति और कार्यकुशलता का ही परिणाम रहा कि रेंज में साइबर अपराधों में 83 प्रतिशत तक की कमी आई। मेवात में साइबर अपराध पर काफी हद तक अंकुश लगा पाने में पुलिस कामयाब रही हैं

# आत्मा को शुद्ध और समाज को दिशा देने वाली है श्री शिव महापुराण कथा

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने आज अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के मुंशीराम प्रसाद की बगिया नारायण वाटिका मुट्ठीगंज में कर्तव्य पथ परिवार द्वारा आयोजित श्री शिवमहापुराण कथा में सम्मिलित होकर देवाधिदेव महादेव की स्तुति करते हुए व्यास पीठ को नमन किया। समस्त प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। मंत्री नन्दी ने कहा कि आचार्य सतानंद महाराज द्वारा श्रावण मास में भगवान शिव की महिमा जीवन मूल्यों और भक्ति मार्ग पर आधारित यह दिव्य कथा आत्मा को शुद्ध करने वाली और समाज को दिशा देने वाली है ।इस अवसर पर श्री राजेंद्र केसरवानी जी (पप्पू निमिथरिया), भाजपा महानगर उपाध्यक्ष श्री अनिल केसरवानी झल्लर जी, श्री कुमार नारायण जी, मंडल अध्यक्ष श्री परमानन्द वर्मा जी, मीरापुर मंडल अध्यक्ष गया प्रसाद निषाद जी, महामंत्री श्री सोनू कुशवाहा जी, पूर्व मंडल अध्यक्ष मीरापुर श्री रणविजय सिंह जी, पूर्व मंडल अध्यक्ष कीडगंज श्री राघवेंद्र मिश्र जी, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती स्वाती गुप्ता जी, माननीय पार्षद मुट्ठीगंज श्री नीरज गुप्ता जी, श्रीमती सपना आर्या जी, भजन गायक मिश्र बंधु जी आदि गणमान्यजन मौजूद रहे।

# प्रयागराज का जो क्षेत्र होगा सबसे साफ, वहां के जोनल अधिकारी होंगे सम्मानित

## स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रयागराज की सफलता पर महापौर का भव्य अभिनंदन

- नगर निगम में मेयर बोले- यह सम्मान जनता और सफाई मित्रों को समर्पित

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने आज अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के मुंशीराम प्रसाद की बगिया नारायण वाटिका मुट्ठीगंज में कर्तव्य पथ परिवार द्वारा आयोजित श्री शिवमहापुराण कथा में सम्मिलित होकर देवाधिदेव महादेव की स्तुति करते हुए व्यास पीठ को नमन किया। समस्त प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। मंत्री नन्दी ने कहा कि आचार्य सतानंद महाराज द्वारा श्रावण मास में भगवान शिव की महिमा जीवन मूल्यों और भक्ति मार्ग

पर आधारित यह दिव्य कथा आत्मा को शुद्ध करने वाली और समाज को दिशा देने वाली है ।इस अवसर पर श्री राजेंद्र केसरवानी जी (पप्पू निमिथरिया), भाजपा महानगर उपाध्यक्ष श्री अनिल केसरवानी झल्लर जी, श्री कुमार नारायण जी, मंडल अध्यक्ष श्री परमानन्द वर्मा जी, मीरापुर मंडल अध्यक्ष गया प्रसाद निषाद जी, महामंत्री श्री सोनू कुशवाहा जी, पूर्व मंडल अध्यक्ष मीरापुर श्री रणविजय सिंह जी, पूर्व मंडल अध्यक्ष कीडगंज श्री राघवेंद्र मिश्र जी, महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती स्वाती गुप्ता जी, माननीय पार्षद मुट्ठीगंज श्री नीरज गुप्ता जी, श्रीमती सपना आर्या जी, भजन गायक मिश्र बंधु जी आदि गणमान्यजन मौजूद रहे। प्रयागराज। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में प्रयागराज को गंगा सिटी श्रेणी में प्रथम स्थान और राष्ट्रीय स्तर पर 12वां स्थान प्राप्त हुआ। इस पर शनिवार को प्रयागराज नगर निगम में महापौर श्री उमेश चंद गणेश केसरवानी का भव्य अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर नगर आयुक्त श्री साईं तेजा, सभी पार्षदगण और नगर निगम अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अपर नगर आयुक्त श्री दीपेंद्र यादव ने किया। अभिनंदन समारोह के दौरान नगर आयुक्त और पार्षदगणें ने महापौर और सभी अधिकारियों ने नगर आयुक्त को माल्यार्पण कर बधाई दी। इस अवसर पर महापौर और नगर आयुक्त ने नगर के सभी क्षेत्र को स्वच्छ बनाए रखने के लिए एक प्रतिस्पर्धा की भी घोषणा की। इसके तहत प्रयागराज का जो क्षेत्र सबसे साफ-सुथरा होगा, वहां के जोनल अधिकारी को सम्मानित किया जाएगा।

फास्ट ट्रैक

## जागरुकता दिवस पर साइबर क्राइम थाना मीरजापुर द्वारा कार्यशाला का आयोजन स्थान

भारत संवाद

अदलहाट,जनपद मीरजापुर , सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर के निर्देशन में साइबर क्राइम पुलिस थाना ,मीरजापुर व थाना अदलहाट पुलिस द्वारा आज दिनांक 26/07/2025 को15 दिवसीय जन जागरुकता कार्यक्रम के दृष्टीगत साइबर जागरुकता दिवस के अवसर पर साइबर अपराध से संबन्धित घटनाओं की रोक थाम के लिये थाना क्षेत्रअदलहाट स्थान- आदर्श इण्टर कॉलेज ,अदलहाट जनपद मीरजापुर में साइबर जागरुकता से सम्बन्धित कार्यशाला का आयोजन किया गया ।जिसमें कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा साइबर जागरूकता में प्रतिभाग किया गया । इस कार्यशाला में साइबर क्राइम थाना मीरजापुर के अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा साइबर अपराध के प्रकार की जानकारी दी गयी ।जैसे- साइबर अपराध क्या है, साइबर अपराध के प्रकार तथा उनसे कैसे बचा जाये तथा साइबर की दुनिया में नया अपराध डिजिटल गिरफ़्तारी के बारे में जानकारी दी गयी एवं फेसबुक पर सेक्सटोर्शन, स्क्रीन शेयरिंग एप के जरिये फजीर्वाड़ा, आनलाइन खरीदारी, टेलीग्राम एप्लीकेशन के माध्यम से ठगी व इण्टरनेट बैंकिंग के अपराध ,एवं साइबर अपराध की घटना घटित हो जाने पर राष्ट्रीय साइबर हेल्प नंबर 1930/साइबर क्राइमपोर्टल की वेबसाईट पर अपनी शिकायत दर्ज कैसे करें, के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी।साइबर अपराध से बचाव हेतु क्या करें/क्या न करें से सम्बंधित आवश्यक दिशा निर्देश का पम्पलेट वितरित किया गया।

## जनपदीय पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारीगण द्वारा थाना समाधान दिवस के अवसर पर जनपद के समस्त थानों पर आने वाले आमजन की सुनी गयी समस्याएं

आज दिनांकः 26.07.2025 को शासन के निदेर्शानुसार (प्रत्येक माह के द्वितीय व चतुर्थ शनिवार) जनता की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण हेतु जनपद के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया ।उक्त अवसर सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर व प्रियंका निरंजन जिलाधिकारी जनपद मीरजापुर द्वारा थाना हलिया पर आमजन की समस्याओं को सुनकर सम्बन्धित को निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया ।इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा थाना को0देहात पर, क्षेत्राधिकारी सदर द्वारा थाना कछवां, उप जिलाधिकारी द्वारा थाना जमालपुर व थाना चुनार पर, क्षेत्राधिकारी चुनार द्वारा थाना अदलहाट पर, नायब तहसीलदार द्वारा थाना जिगना पर, क्षेत्राधिकारी चकबन्दी द्वारा थाना ड्रमण्डगंज पर, तहसीलदार द्वारा थाना राजगढ़ पर सम्बन्धित प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण व राजस्व विभाग के अ?य अधिकारी एवं कर्मचारीगण के साथ थाने पर आने वाले आमजन की समस्याएं सुनकर मौके पर निस्तारण कराया गया तथा शेष मामलों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर रवाना किया गया ।

## थाना समाधान दिवस पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों को थानावार विवरण निम्नांकित है

थाना को0शहर 04 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना को0कटरा पर 06 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना विन्ध्याचल पर 20 प्रार्थना पत्र प्राप्त 08 निस्तारित, थाना को0देहात पर 20 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना चील्ह पर 08 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना कछवां पर 17 प्रार्थना पत्र प्राप्त 03 निस्तारित, थाना पड़री पर 09 प्रार्थना पत्र प्राप्त 01 निस्तारित, थाना लालगंज पर 27 प्रार्थना पत्र प्राप्त 01 निस्तारित, थाना हलिया पर 12 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना जिगना पर 10 प्रार्थना पत्र प्राप्त 3 निस्तारित, थाना सन्तनगर पर 14 प्रार्थना पत्र प्राप्त 02 निस्तारित, थाना ड्रमण्डगंज पर 10 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना चुनार पर 08 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना अदलहाट पर 11 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना जमालपुर पर 06 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना अहरौरा पर 05 प्रार्थना पत्र प्राप्त 02 निस्तारित, थाना मड़िहान पर 04 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना राजगढ़ पर 03 प्रार्थना पत्र प्राप्त, शेष मामलों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को रवाना किया गया ।

# मिशन कर्मयोगी तहत वेबिनार का किया गया आयोजन

भारत संवाद

लखनऊः उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य विकास संस्थान बख्शी का तालाब, लखनऊ में विभिन्न सरकारी, अर्धसरकारी विभाग /संस्थाओ के अधिकारियों व कर्मचारियों व विभाग व रचनात्मक कार्यों से जुड़े लोगों को प्रशिक्षण देकर उन्हें और अधिक दक्ष व सक्षम बनाने का कार्य किया जा रहा है।इसी कड़ी में दीन दयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, बख्शी का तालाब, लखनऊ द्वारा संस्थान के महानिदेशक एल० वेंकटेश्वर लू की अध्यक्षता में मिशन कर्मयोगी के अन्तर्गत, संस्थान के बुद्धा सभागार में, विशिष्ट अतिथि विक्रान्त तोमर , मोटीवेशनल स्पीकर, उज्जैन, मध्य प्रदेश, श्रीनिवास , आईं आर टी एस , निदेशक आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण केन्द्र, भारतीय रेलवे, अश्विनी कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता, विवेकानन्द मिशन तथा संस्थापक अध्यक्ष मानवोदय सेवा संस्थान लखनऊ की गरिमामई उपस्थिति में एक वृहत बेविनार कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत संस्थान में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के २२० प्रतिभागी एवं संस्थान के अधीनस्थ प्रदेश के समस्त क्षेत्रीय/जिला ग्राम्य विकास संस्थानों के अधिकारी/ कार्मिक तथा उन संस्थानों द्वारा भी संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों ने आन-लाइन प्रतिभाग किया। देश के अमृत काल के समय विशिष्ट अतिथि वाताकारो द्वारा मिशन कर्मयोगी के अन्तर्गत मुख्य रूप से प्रासंगिक विषय पर बताया गया कि मिशन कर्मयोगी द्वारा देश के सभी प्रशिक्षण संस्थानों में साझा क्षमता एवं संसाधन निर्माण तथा उसमें वृद्धि हेतु क्षमता निर्माण कार्यक्रम की शुरूआत करके सिविल सेवा में आवश्यक सुधार किया जा रहा है।इस कार्यक्रम के द्वारा प्रशिक्षण के विभिन्न मानकों के मध्य सामंजस्य स्थापित किया जा रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य अधिकारियों को अत्यधिक सक्षम बनाना है ताकि वह बदलती हुई सामाजिक आर्थिक चुनौतियों और निरन्तर परिवर्तनशील तकनीकी का सदुपयोग करने में वे सक्षम हो सकें। महानिदेशक संस्थान एल० वेंकटेश्वर लू द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन के अन्तर्गत बताया कि मिशन कर्मयोगी में वर्णित उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु यह आवश्यक है कि शासकीय अधिकारियों/कार्मिकों के लिए एक समन्वित क्षमता निर्माण हेतु श्रीमद्भागवत गीता के दिशानिदेर्शों को अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रमों में समेकित किया जाये क्योंकि इसके कई श्लोकों में कर्मयोगी के आचरण /विशिष्टताएं अवधारित की गयी हैं, जिसमें भयरहित , शुद्धता, ईमानदारी, क्रोधरहित, अनासक्त, शान्ति एवं सद्भाव , लोभरहित, विनम्रता इत्यादि की स्थिति में रहते हुए समभाव से कार्यों का करना समाहित है। कार्यक्रम के आयोजन एवं प्रबंधन के दृष्टिगत अपर निदेशक सुबोध दीक्षित के मार्ग निर्देशन में संस्थान के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों का अविस्मरणीय योगदान रहा है। कार्यक्रम के अन्त में संस्थान की उप निदेशक डा० नीरजा गुप्ता द्वारा सभी को सारगर्भित धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा संचालन डॉ नवीन कुमार सिन्हा द्वारा किया गया।

# महापौर ने किया नालों का औचक निरिक्षण नाले से पानी रुकने पर अधिकारियों को किया निर्देशित

## महापौर ने जोन 3 टैगोर टाउन बाबा जी का बाग में नालों का निरीक्षण किया, और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

- महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने लगातार वर्षा ऋतु के मद्देनजर महानगर में जलप्लावन की समस्या को देखते हुए नालों का निरीक्षण किया ।
- इस निरीक्षण से नालों की सफाई और रखरखाव सुनिश्चित करना है, ताकि बरसात के दौरान जलभराव की समस्या न हो और शहर की सड़कें और गलियां जलमग्न न हों।
- पार्षद आनंद घड़ियाल ने बताया यह नाला सिविल लाइंस कंपनी बाग हाथी पार्क से होते हुए हासिपुर मधवापुर से बैरहाना मोरी गेट को जाता है जिससे शहर का प्रबुद्ध क्षेत्र जुड़ा हुआ है ।

भारत संवाद

प्रयागराज , लगातार जलपराओं की समस्या आ रही है जिसको संज्ञान लेते हुए जल्द से जल्द निस्तारण कराया जा रहा है, इस दौरान अधिकारियों को नालों की सफाई और रखरखाव के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया है, ताकि नालों में जमा कचरा और गाद निकालकर उनकी जलधारिता बढ़ाई जा सके, महापौर ने अधिकारियों को जलभराव की समस्या को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया है, जैसे कि नालों के किनारे की सफाई, नालों की गहराई बढ़ाना, और जल निकासी की व्यवस्था में सुधार करना, महापौर ने अधिकारियों को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने और शहर की सुरक्षा और स्वच्छता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है, ताकि नागरिकों को किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। महापौर के इस कदम से शहर में जलभराव की समस्या को कम करने में मदद मिलेगी और नागरिकों को राहत मिलेगी। इसके अलावा, शहर की स्वच्छता और सुरक्षा में भी सुधार होगा ।इस दौरान

क्षेत्रीय पार्षद आनंद घड़ियाल रहे

# परीक्षा को सकुशल, नकलविहीन व सुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के संबंध में दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

भारत संवाद

मंडलायुक्त ने समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक परीक्षा) परीक्षा को सकुशल, नकलविहीन व सुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के संबंध में सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट व केंद्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक करते हुए दिए आवश्यक दिशा-निर्देश मंडलायुक्त श्री विजय विश्वास पंत एवं जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ शनिवार को संगम सभागार में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा 27 जुलाई को आयोजित होने वाली समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक परीक्षा) परीक्षा को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सकुशल, नकलविहीन व सुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट व केंद्र व्यवस्थापको के साथ बैठक करते हुए परीक्षा को सकुशल रूप से संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं। मंडलायुक्त ने सभी संबंधित से कहा कि लोक सेवा आयोग के दिशा- निदेर्शों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए , इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं है।

# सामाजिक संस्था मदद फाउंडेशन का तीसरा स्थापना दिवस

भारत संवाद

सामाजिक संस्था मदद फाउंडेशन आज अपना तीसरा स्थापना दिवस मना रहा है जिसमें आप सभी सादर आमंत्रित हैं। मदद फाउंडेशन विगत 3 वर्षों से रविवार की रसोईइ संचालित कर गरीब, असहाय, दिव्यांग, निराश्रित, मानसिक रूप से अस्वस्थ एवं फुटपाथ पर रहकर जीवन यापन करने वालों के लिए भोजन - पानी की व्यवस्था निःशुल्क उपलब्ध कर उनकी पीड़ा को कम करने का प्रयास कर रही है।

स्थान : हिंदुस्तानी अकैडमी सिविल लाइंस प्रयागराज

समय : दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक

# एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

भारत संवाद

इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), प्रयागराज लोकल सेंटर द्वारा मोतिलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (MNIT), प्रयागराज में ग्रामीण भारत के लिए स्थायी तकनीकी समाधान विकसित भारत की ओर विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री संजय कुदेसिया, वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक, इफको फुलपुर इकाई थे। उन्होंने अपने संबोधन में नैनो उर्वरक और ड्रोन तकनीक को भविष्य की कृषि का आधार बताते हुए कहा कि ये नवाचार न केवल कृषि उत्पादन बढ़ाने में सहायक होंगे, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरणीय संतुलन और संसाधनों के संरक्षण में भी अहम भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम के दौरान श्री कुदेसिया द्वारा इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), प्रयागराज लोकल सेंटर की नई वेबसाइट का शुभारंभ भी किया गया। यह वेबसाइट संस्था की गतिविधियों, सेमिनारों और तकनीकी जानकारी के प्रसार में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस संगोष्ठी में विभिन्न तकनीकी विशेषज्ञों, इफको फूलपुर के प्रशिक्षण केंद्र के वरिष्ठ प्रबंधक अनुराग तिवारी ,शिक्षाविदों, युवा इंजीनियरों और विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया और हरित एवं आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अपने विचार साझा किए। इंस्टिट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), प्रयागराज लोकल सेंटर द्वारा इस तरह के आयोजनों से ग्रामीण भारत के तकनीकी सशक्तिकरण को नई दिशा मिलेगी और विकसित भारत @2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

बलिदान को नमन

## सैनिक वेतन के लिये नहीं वतन के लिये लड़ते हैं : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

# कारगिल विजय दिवस पर हमारे वीर बलिदानियों के बलिदान को नमन

भारत संवाद

- विजय, जज्बा और अमर चेतना का पर्व
- विजय दिवस, भारत की आत्मा की विजय

ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन में आज कारगिल विजय दिवस के अवसर पर परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में ऋषिकुमारों ने तिरंगा हाथों में लेकर भारत की सेना के वीर बलिदानियों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। आज की परमार्थ गंगा आरती विशेष रूप से उन रणबाँकों को समर्पित की गई, जिन्होंने कारगिल युद्ध में अद्वितीय शौर्य और पराक्रम का परिचय देते हुए माँ भारती की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। सभी ने भारत की सीमाओं की रक्षा में शहीद हुए अमर बलिदानियों को कृतज्ञता और सम्मान के साथ नमन किया। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कहा, हमारे सैनिक किसी वेतन के लिये नहीं, बल्कि वतन के लिये लड़ते हैं। उनका जीवन देश की सेवा और सुरक्षा के लिये समर्पित होता है। वे सीमाओं पर खड़े होकर न केवल गोलियों से लड़ते हैं, बल्कि हमारी नींद, हमारी आजादी, और हमारे तिरंगे की गरिमा की रक्षा के लिये अपना सब कुछ न्यौछावर करते हैं ।स्वामी जी ने कहा कि जो वीर बफीर्ली चोटियों पर देश के लिए अपना लहू बहाते हैं, वे किसी स्वार्थ या सम्मान के लिये नहीं, बल्कि माँ भारती के लिए मर-मिटने का जज्बा लेकर चलते हैं। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस केवल एक युद्ध की स्मृति नहीं है, यह भारत की आत्मा की विजय का प्रतीक है।यह वह ज्वाला है जिसने हर भारतीय हृदय में राष्ट्रप्रेम की अग्नि को प्रज्वलित किया। यह कोई सामरिक जीत मात्र नहीं थी, बल्कि भारत की जुझारू चेतना की उद्घोषणा थी, वह आत्मा जो हिमालय से ऊँची है, गंगा से पवित्र और तिरंगे की तरह गौरवशाली है। भारत के वीर सैनिकों का यह वाक्य या तो तिरंगा लहराकर आऊँगा, या उसमें लिपटकर आऊँगा।यह केवल शब्द नहीं, बल्कि उन वीरों की विशाल राष्ट्रनिष्ठा और राष्ट्र प्रेम की अभिव्यक्ति है। मानव इतिहास में ऐसे समर्पण दुर्लभ हैं, यह आदर्श है शक्ति और भावना का केवल भारत में ही देखने को मिलती है ।आज हम भारतवासी उन सभी अमर बलिदानियों को शत-शत नमन करते हैं, जिनकी रगों में रक्त नहीं, मातृभूमि के लिए समर्पण बहता है। आज हम उन सभी का स्मरण करते हैं जिन्होंने न केवल अपनी जान दी, बल्कि देश की आत्मा को अक्षुण्ण रखा; मातृभूमि की रक्षा और सम्मान को अक्षुण्ण रखा ।1999 का कारगिल युद्ध भारतीय सेना के शौर्य की अद्भुत मिसाल है। पर्वतीय प्रदेशों में अत्यधिक दुर्गम सामरिक स्थितियों में जिस अद्भुत साहस, और रणनीति का परिचय दिया व अद्भुत था। कारगिल की वह लड़ाई आज भी हर भारतीय को राष्ट्र संगठित रखने का संदेश देती है।

# जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी के परीक्षा के दृष्टिगत बैठक कर अधिकारियों को दिया आवश्यक दिशा निर्देश

भारत संवाद

मीरजापुर दिनांक 26 जुलाई 2025। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा की अध्यक्षता में समीक्षा अधिकारी /सहायक समीक्षा अधिकारी की परीक्षा को निष्पक्ष व पारदर्शी कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक कर सम्बन्धित अधिकारियों को दिया आवश्यक दिशा निर्देश। बैठक में आयोग के पर्यवेक्षक वीरेन्द्र कुमार सिंह, सहयोगी पर्यवेक्षक, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 अजय कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी भू0/रा0 देवेन्द्र प्रताप सिंह, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विजेता, अपर पुलिस अधीक्षक नगर नितेश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक नक्सल ओ0 पी0 सिंह, नगर मजिस्ट्रेट विनीत उपाध्याय, सभी उपजिलाधिकारी, मुख्य चिकित्साधिकारी सी0एल0 वर्मा, सभी क्षेत्राधिकारी, सभी केन्द्र व्यवस्थापक व सभी सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें। जिलाधिकारी ने सभी सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट, सभी पुलिस मजिस्ट्रेट को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी लोग अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत आने वाले सेण्टरों पर भ्रमणशील रहें। उन्होंने कहा कि हम सभी की जिम्मेदारी है कि परीक्षा सुचारू एवं नकल विहिन/पारदर्शी ढंग से सम्पन्न करायी जाये। उन्होंने कहा कि सभी केन्द्र व्यवस्थापक अपने-अपने केन्द्रों पर आयोग द्वारा दिये गये निदेर्शों के अनुसार सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित करा लें। उन्होंने कहा कि सभी सम्बन्धित अधिकारी अपने-अपने परीक्षा केन्द्रों का आज ही भ्रमण कर विद्युत व्यवस्था, जलापूर्ति, सीसीटीवी कैमरे को निरीक्षण कर यह सुनिश्चित कर लें कि यदि कमियां है तो आज ही दुरूस्त करा ली जाये। उन्होंने बताया कि दिनांक 27 जुलाई 2025 को परीक्षा प्रातः 9:30 बजे से 12:30 बजे तक सम्पन्न करायी जायेगी। उन्होंने बताया कि सभी केन्द्र व्यवस्थापक, सह केन्द्र व्यवस्थापक, अन्तरीक्षक अन्य सपोर्ट स्टाफ एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट प्रातः 6:30 बजे तक अपनी उपस्थिति दर्ज करायें। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों का प्रवेश प्रातः 8:00 बजे से 8:45 तक दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि परीक्षा केन्द्र के प्रवेश द्वार पर ड्यूटीरत कर्मियों एवं सुरक्षारत कर्मियों के द्वारा अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र/मूल पहचान पत्र की जाँच तथा बायोमैट्रिक आइरीश सत्यापन के बाद ही अभ्यर्थियों को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश दिया जाय। उन्होंने कहा कि आयोग की यह प्रतिष्ठित एवं महत्वपूर्ण परीक्षा है उक्त परीक्षा को निर्धारित प्रक्रिया अनुसार सकुशल, निर्विघ्न, निष्पक्षतापूर्वक एवं शुचितापूर्ण सम्पन्न कराने हेतु प्रत्येक स्तर पर सतर्कता/सजगता आत्म अनुशासन एवं निर्धारित समय सारिणी का पालन किये जाने की आवश्यकता है। जिला विद्यालय निरीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी हेतु जनपद में 24 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है

# प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

भारत संवाद

सहारनपुर।रेलवे पेंशनर्स समाज एवं सानिया इलेक्ट्रिकल्स के संयुक्त तत्वाधान में संस्था कार्यालय पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, प्रतियोगिता का संचालन एडमिन मोहम्मद फैजल द्वारा किया गया एवं मोहम्मद फरहान, सानिया फैजल, शमा अंसारी नें सहयोग किया।विजेताओं एवं प्रतिभागियों को पारितोषिक प्रदान किए गए। आई क्यू हॉस्पिटल के डॉ रोहित एवं मार्केटिंग मैनेजर सुरेंद्र बिरला ने उनके हॉस्पीटल में होने वाली निशुल्क नेत्र रेटीना परीक्षण की जानकारी दी तथा अधिक से अधिक रेलवे वरिष्ठजनों को सुविधा का लाभ उठाने का आवाहन किया, उन्होंने बरसात के इस मौसम में होने वाली आंखों की बीमारियां एवं उनसे बचाव के सुरक्षा टिप्स दिए।संस्थापक आर सी शर्मा एवं महामंत्री एन एस चैहान ने अतिथियों का अंगवस्त्र पहनाकर एवं संस्था की पत्रिका भेंट कर सम्मान किया तथा उनको संस्था के बारे मे जानकारी दी। अध्यक्षता जे एन शर्मा ने एवं संचालन मूलचंद रांगड़ा ने किया। इस अवसर पर अनिल शर्मा,अजय शर्मा, जे पी

शर्मा, स्वतंत्र भारद्वाज, विनोद त्यागी, अजीत राणा,देवेंद्र कुमार, अमरनाथ त्यागी, जयदेव सिंह, विजय तलवार, इकबाल अजीम,आर के धीगड़ा, अरविंद शर्मा, अशोक शर्मा, विजय त्यागी,जुगल, श्रीकृष्ण आर्य, इंद्रजीत कुमार, बलजीत जायसवाल, संजीव छावड़ा, वेद प्रकाश, योध राज, उषा शर्मा आदि मौजूद रहे।

# कारगिल आपरेशन विजय भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाने वाली विजयगाथाः शीतल टण्डन

## कारगिल विजय दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर जिला व्यापार मण्डल द्वारा वीर सैनिकों को नमन किया गया

भारत संवाद

सहारनपुर। उ.प्र.उद्योग व्यापार मण्डल की जिला इकाई के तत्वावधान में कारगिल दिवस की 26वीं वर्षगांठ पर स्थानीय जिला सैनिक एवं पुनर्वास कार्यालय में शहीद स्मारक के समक्ष व्यापारी प्रतिनिधियों व पूर्व सैनिकों द्वारा वीर शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किये और मौन रखकर श्रद्धांजलि भी दी।

इस अवसर पर व्यापार मण्डल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व जिलाध्यक्ष शीतल टण्डन व जिला महामंत्री रमेश अरोड़ा ने कहा कि कारगिल आपरेशन विजय भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाने वाली विजयगाथा है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह पहला अवसर था जब पाकिस्तान को बिना शर्त बिना समझौते नियंत्रण रेखा से पलायन करना पड़ा और यह भी पहला

अवसर था जब विश्व मंच के प्रबल सूत्रधार अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के वार्ता निमंत्रण को हमारे तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने ठुकरा दिया था। इस प्रकार कूटनीति की चैसर पर भी विजय प्राप्त करके भारत को गौरवान्वित किया गया। श्री टण्डन ने कहा कि मई,जून जुलाई 1999 में पाकिस्तान के सैनिक गश्ती दल और घुसपैठियों को कारगिल त्रास बटालिक आदि क्षेत्रों में पूरी तैयारी के साथ मुंहतोड़ जवाब दिया और भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने 18000 फुट की ऊंचाई पर उड़कर जो कमाल दियाा वैसा चमत्कार भारतीयों के लिए अद्भुत था। सेना का उत्साह शौर्य व साहस को प्रदर्शित करता है।ऐसे बहादुर सैनिकों को न केवल व्यापार मण्डल पूरा देश कारगिल विजय दिवस के अवसर पर नमन करता है। श्री टण्डन ने कहा कि प्रत्येक भारतवासी को अपने राष्ट्र के प्रति तन-मन-धन से समर्पित होकर एक आदर्श नागरिक बनकर रहना होगा।इसी से हमारी भारतीय लोकतंत्र व सीमाओं की रक्षा हमेशा होती रहेगी। देश के सैनिकों की अद्भूत वीरता प्रत्येक भारतवासी को गर्व है। श्री टण्डन ने कहा कि कारगिल विजय अभियान में सेना के तीनों अंगों इण्डियन आर्मी, इंडियन नेवी और इंडियन एयरफोर्स का अभूतपूर्व व अनुकरणीय योगदान रहा है। इससे पूर्व व्यापार मण्डल के प्रमुख पदाधिकारी जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में एकत्रित हुए।जिला सैनिक एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल विवेक मिश्रा तथा वहां उपस्थित बडी संख्या में पूर्व सैनिकों का तिरंगा अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया गया। कर्नल मिश्रा ने व्यापारियों के देश भक्ति के जज्बे की सराहना करते हुए कहा कि व्यापारी वर्ग किसी भी संकटकाल या युद्धकाल में बढ़-चढ़कर हर प्रकार से एक आदर्श नागरिक के रूप में सहयोग के लिए हमेशा आगे हाथ बढ़ाता है।

फास्ट ट्रैक

## मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मण्डलीय उद्योग बन्धु बैठक 29 जुलाई को

अलीगढ़ , (सू0वि0): मण्डलायुक्त संगीता सिंह की अध्यक्षता में मण्डलीय उद्योग बन्धु बैठक 29 जुलाई को सांय अपरान्ह 03:30 बजे से कमिश्नरी सभागार में आयोजित की जायेगी।संयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेन्द्र कुमार ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में विगत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि, औद्योगिक संगठनों से प्राप्त प्रकरणों पर चर्चा, निवेश मित्र पोर्टल पर समय सीमा उपरांत लम्बित प्रकरणों पर विचार, विभागीय ऋण योजनाओं समेत अन्य बिन्दुओं पर विचार विमर्श किया जाएगा।

## ग्राम पंचायतों में बाल एवं किशोर पुस्तकालय स्थापित किए जाने के संबंध में आवश्यक बैठक 28 जुलाई को

अलीगढ़ (सू0वि0): जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में ग्राम पंचायत स्तर पर बाल एवं किशोर पुस्तकालय स्थापित किए जाने के संबंध में एक आवश्यक बैठक 28 जुलाई को अपरान्ह 12:30 बजे से कलैक्ट्रेट सभागार में आहुत की गई है। जिला पंचायत राज अधिकारी यतेन्द्र सिंह ने उक्त जानकारी देते हुए संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया है कि वह ससमय बैठक में प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

## सपा संविधान व आरक्षण बचाने को दृढ संकल्पितः कमाल अख्तर

भारत संवाद

सहारनपुर। सपा विधायक एवं प्रदेश के पूर्व मंत्री कमाल अख्तर ने कहा कि भारत के संविधान की प्रति के सानिध्य में संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस आयोजित करके हम सामाजिक न्याय व समता-समानता और आरक्षण को बचाए-बनाए रखने का अपना संकल्प दोहरा रहे हैं। जिसके पीछे की मूल भावना है कि संविधान-मानस्तंभ वस्तुतः पीडीए-प्रकाशस्तंभ के रूप में सामाजिक न्याय के राज की स्थापना के संकल्प का मार्ग सदैव प्रकाशित और प्रशस्त करता रहे। जब संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा। कार्यक्रम के सहारनपुर प्रभारी एवं विधायक कमाल अख्तर आज यहां मंडी समिति रोड स्थित एक बैंकट हॉल में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार, आरक्षण दिवस को संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस के रूप में आयोजित कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब से देश एवं प्रदेश में भाजपा की सरकार आई है तब से लगातार संविधान और आरक्षण पर हमला किया जा रहा है ताकि आरक्षण को समाप्त कर दलित पिछड़े और अल्पसंख्यक के अधिकार छीन लिए जाए और उन्हें एक बार फिर गुलामी की और धकेल दिया जाए हाल ही में सरकार ने सरकारी स्कूलों को मर्ज करने की जो घोषणा की है यह अत्यधिक चिंता का विषय है क्योंकि सरकारी स्कूलों में केवल गरीबों के बच्चे पढ़ते हैं उन्हें शिक्षा से दूर करने के लिए सरकार ने षड्यंत्र रचा है ताकि उन्हें शिक्षा से वंचित रखा जा सके और वह आरक्षण संविधान की बात न कर सके।कार्यक्रम को प्रदेश सचिव मजिहर राणा, राहुल भारती पूर्व मंत्री प्रजापति मांगेराम कश्यप पूर्व जिला अध्यक्ष मजहिर हसन मुखिया चैधरी अब्दुल रूफ जिला महासचिव जितेंद्र राणा बाबा परवेज मलिक सपा प्रदेश सचिन रूही अंजुम पार्षद हाजी नूर आलम पार्षद अहमद मलिक हैदर अली जिला कार्यालय फैसल सलमानी पूर्व मंत्री लियाकत अली इजहार बबलू अमित गुर्जर हैदर मुखिया मोहसिन मलिक ममता चैधरी सलीम अख्तर महानगर विधानसभा प्रभारी अभिषेक टिंकू अरोड़ा आबूबाकर काशिफ अल्वी चैधरी मेहरबान वासिल तोमर आदि ने संबोधित किया कार्यक्रम में महजबी खान हसीन कुरैशी रतन यादव संदीप यादव राम आशीष यादव केपी सिंह सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# श्री मद्भागवत कथा में दूसरे दिन शिव पार्वती की झांकी का सुन्दर चित्रण किया गया

भारत संवाद

ऊंचाहार, रायबरेली , क्षेत्र के निरंजनपुर गांव में ग्रामीणों द्वारा आयोजित श्री मद्भागवत कथा का शुक्रवार 25 जुलाई से शुभारंभ हो गया। श्री मद्भागवत कथा में मुख्य यजमान भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रांतीय मंत्री अभिलाष चंद्र कौशल ने सुबह भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया और सायंकालीन कथा में सम्मिलित हुए और भगवान शिव पार्वती की आरती की। कथावाचक ने कहा कि सात दिवस तक होने वाली इस श्रीमद्भागवत कथा में हर दिन भगवान शिव का रूद्राभिषेक किया जा रहा है। इसमें अन्य शिवभक्त भी शामिल हो सकते हैं। सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा में व्यासपीठ पर विराजमान विद्वान कथावाचक महेंद्र कृष्ण जी महराज ने आज शनिवार को दूसरे दिन की भागवत कथा में भगवान वेदव्यास के बारे में बताया और भगवान शिव की कथा सुनाई। कथा के दरम्यान शिव पार्वती के विवाह की सुन्दर झांकी प्रस्तुति की गई और

भगवान के भजन और आरती के पश्चात प्रसाद का वितरण किया गया। इस संगीतमययी श्रीमद् भागवत की कथा को सुनने के लिए आसपास के गांव से भारी संख्या में भक्त पहुंच रहे हैं। इस अवसर पर भाजपा के ओबीसी मोर्चा के प्रांतीय मंत्री अभिलाष चंद्र कौशल , राजकुमार , लल्लू पाण्डेय , विदुर तिवारी, प्रीति विश्वकर्मा ,पूनम केसरवानी, राम सिंह, दरोगा सिंह, रमेश बहादुर सिंह, रामकरण सिंह ,अजय सिंह, प्रिंस विश्वकर्मा ,वेद , सूर्यमणि मिश्रा, कुदन मिश्रा, उमेश सिंह, दिग्विजय सिंह, विमलेश श्रीवास्तव आदि सैकड़ो भक्त रहे।

# निगम ने ढमोला नदी में बने एक दर्जन अवैध निर्माण किये ध्वस्त

## ढमोला नदी पर नये पुल के निर्माण का रास्ता साफ

भारत संवाद

सहारनपुर। ढमोला नदी पर नये पुल के निर्माण में बाधक बन रहे करीब एक दर्जन अवैध कब्जों को आज नगर निगम ने दो जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया। इसके साथ ही पिछले करीब एक साल से अटका पुल निर्माण कार्य का रास्ता साफ हो गया। यह पुल जोगियान पुल की ओर से आने वाले मार्ग को ढमोला पुल के निकट जोडेगा। स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत ढमोला नदी पर पुल का निर्माण किया जा रहा है। पुल निर्माण का उद्देश्य पुराने शहर से देहरादून रोड़ जाने वाले टैजफिक को पुल जोगियान से सीधे राकेश सिनेमा के सामने से होते हुए देहरादून रोड पर पहुंचाना है ताकि लोगों को घंटाघर की भीड़-भीड़ में न फंसना पडे।पुल का निर्माण ढमोला नदी पर आधा से ज्यादा हो चुका है लेकिन ढमोला नदी क्षेत्र में कुछ लोगों द्वारा अवैध रुप से कच्चे-पक्के व टीन शेड डालकर करीब एक दर्जन कमरे व झोपड़िया खड़ी कर अतिक्रमण कर लिया गया था। इस अतिक्रमण के कारण पुल का निर्माण पिछले करीब एक वर्ष से अधर में लटका था। स्मार्ट सिटी अधिकारियों ने अतिक्रमण को चिह्नित करने के लिए जिला प्रशासन को लिखा था। जिस पर प्रशासन द्वारा नायब तहसीलदार सदर की अध्यक्षता में एक राजस्व टीम का गठन कर ढमोला नदी क्षेत्र की पैमाइश करायी गयी। उपजिलाधिकारी सदर द्वारा स्मार्ट सिटी सीईओ/नगरायुक्त को भेजे गए पत्र में अवगत कराया गया कि नायब तहसीलदार सदर सहारनपुर द्वारा अपनी जांच आख्या दिनांक 24 जुलाई 2025 प्रस्तुत कर अवगत कराया गया है कि राजस्व टीम द्वारा मौके पर उपस्थित होकर चिह्नित किये गए प्रस्तावित निर्माण स्थल के सरेखण के सम्बंध में आवश्यक जांच एवं अभिलेखों का अवलोकन किया गया एवं सम्बंधित स्थल को चिह्नित करने हेतु आवश्यक पैमाइश की गयी। जांच के दौरान पाया गया कि सम्बंधित भूमि पर सभी सरकारी विभाग के नामों का इंद्राज है। कोई भी निजी स्वामित्व की भूमि नहीं है। नकल खेवट, खतौनी खसरा के अवलोकन से विदित है कि जहां पर ब्रिज का सरेखण आ

रहा है, वह सरकारी भूमि तस्दीक हुई है।प्रशासन से यह रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नगरायुक्त शिपू गिरि के निर्देश पर आज अतिक्रमण प्रभारी सुधीर शर्मा के नेतृत्व में नगर निगम का अतिक्रमण हटाओ दस्ता जनकपुरी पुलिस के साथ उक्त स्थल पर जेसीबी लेकर पहुंचा तो अतिक्रमणकारियों में खलबली मच गयी। सुधीर शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को ही सम्बंधित क्षेत्र में एनाउंस करा दिया गया था कि अतिक्रमणकारी कल सुबह तक अपना अतिक्रमण हटा लें अन्यथा मजबूरन निगम को हटाना पडेगा।

# डाइट में करियर मार्गदर्शन कार्यशाला का आयोजन

## एआई जैसे नए क्षेत्रों मे अपार संभावनाएं : मनोज कुमार

भारत संवाद

बरेली। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), फरीदपुर में डीएलएड प्रशिक्षुओं के लिए करियर मार्गदर्शन हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सेबी के विशेषज्ञ मुकुल श्रीवास्तव और मंडलीय मनोविज्ञान केंद्र, बरेली के प्रवक्ता रविंद्र कुमार ने प्रशिक्षुओं को शैक्षिक अवसरों और प्रतियोगी परीक्षाओं की विस्तृत जानकारी दी। डाइट प्राचार्य दीप्ति वार्ष्णेय ने प्रशिक्षुओं को भविष्य की कार्य योजना से अवगत कराते हुए बताया कि डायट में अब नियमित रूप से रोजगार से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वरिष्ठ प्रवक्ता मनोज कुमार ने शैक्षिक गुणवत्ता और कौशल विकास पर जोर देते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे नए क्षेत्रों में भी अपार संभावनाएं हैं। प्रवक्ता श्रीकांत मिश्र ने डीएलएड के साथ-साथ अन्य कौशलों में दक्षता की आवश्यकता पर बल दिया और शीघ्र ही रोजगार जागरूकता मेले के आयोजन की घोषणा की। सेबी विशेषज्ञ मुकुल श्रीवास्तव ने सरकारी कोर्सों के माध्यम से वित्त विशेषज्ञ बनने की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। रविंद्र कुमार ने ग्रेजुएशन के बाद रोजगार के अवसरों और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर जोर दिया।

कार्यशाला में डाइट प्रवक्ता विनोद कुमार, दिनेश कुमार, महेंद्र पाल, डॉ. कृष्ण कुमार, सौरभ मिश्र, सावित्री यादव, राजेश कुमार सहित सैकड़ों डीएलएड प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

# रालोद की सदस्यता ग्रहण की

भारत संवाद

सहारनपुर। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चैधरी की नीतियों में विश्वास करते हुए आज महानगर अध्यक्ष रालोद भूषण चैहान, प्रदेश महासचिव चैधरी धीर सिंह एवं महानगर उपाध्यक्ष ठाकुर मूलचंद के नेतृव हर्षित राणा गौरव चैहान उस्मान अहमद ने अपने साथियों सहित पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान हर्षित राणा को छात्र सभा का महानगर अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया।आज कोर्ट रोड स्थित महानगर कार्यालय पर आयोजित बैठक में प्रदेश महासचिव चैधरी धीर सिंह, रालोद के महानगर अध्यक्ष भूषण चैहान ने पार्टी में शामिल होने होने वाले सभी युवाओं का सम्मान करते हुए कहा कि वह लोग पार्टी की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि युवा ही संगठन की मजबूती का आधार होता है और युवाओं के बल पर ही हर लड़ाई को जीता जा सकता है उन्होंने कहा कि वह अधिक से अधिक युवाओं को पार्टी से जोड़ने का काम करें उनकी हर समस्या के लिए समाधान के प्रयास किए जाएंगे लेकिन वह लोग भी पार्टी मजबूती में अपना योगदान देते रहे ।इस दौरान उस्मान अहमद ने समाजवादी पार्टी छोड़कर अपने साथियों सहित हर्षित राणा गौरव राणा ने साथियों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इनके अलावा ठाकुर मूलचंद सिंह ठाकुर मदनपाल सिंह ठाकुर मुकेश सिंह लल्लन प्रसाद ने भी अपने विचार व्यक्त किये। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष भूषण चैहान एवं संचालन अरविंद मलिक ने किया।

# हरियाली तीज महोत्सव धूमधाम से मनाया

भारत संवाद

सहारनपुर। वैश्य अग्रवाल समन्वय समिति सहारनपुर के द्वारा हरियाली तीज का महोत्सव बड़े ही उत्साह के साथ अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे जिलाध्यक्ष महावीर प्रसाद गुप्ता, पवन गोयल,नरेश गोयल, सुनील गुप्ता, पंकज गुप्ता, जिला महिला अध्यक्ष कुसुम अग्रवाल के कर कमलों द्वारा महाराजा अग्रसेन के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके एवम् पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ ही आरती बंदन किया गया। जिलाध्यक्ष कुसुम अग्रवाल ने आये हुए सभी अतिथियों व संरक्षिकाओं का सम्मान पटका व माला पहनाकर किया। कार्यक्रम में ममता सिंघल व आरती गुत्ता के द्वारा

मनोरंजक खेल करवाये गये जिसका सभी बहनो ने आनन्द लिया। इस महोत्सव में अग्रकुल महिला समिति, अग्रवाल महिला मिलन, अग्रवाल मित्र मण्डल, आई.वी एफ, नारी शक्ति, अग्रवाल महिला संगम, अग्रवाल वंशज महिला समिति, अग्रवाल महिला समिति, अग्रवाल सखी परिवार, अंलकृता अग्रवाल शक्ति, वैश्य अग्र महिला समित, वैश्य महिला समिति राघव पुरम आदि के पदाधिकारी व सदस्यो ने भाग लिया। कार्यक्रम मे किसी समिति के सदस्यो ने नृत्य के द्वारा, किसी ने तीज के गाने गाकर प्रस्तुति दी। तीज कार्यक्रम मे बहने सोलह श्रंगार करके आयी और माँ पार्वती व शिव की आराधना व वन्दना करके करके अपने सुहाग के लिये आशीर्वाद मांगा। बहनों ने सभागर को एक दम हरा भरा कर दिया। इस अवसर पर मंजू मित्तल, संगीता, विनय गोयल, कामना अग्रवाल, पूजा अग्रवाल, श्वेता बंसल, विद्दुषि अग्रवाल, आमीष अग्रवाल, अलका बिन्दल, सुनीता गोयल, अंजना अग्रवाल, सुषमा गोयल, अलका बिंदल, सुनीता गोयल, अंजना अग्रवाल, शिल्पा, सानिया गर्ग, अनिता गुप्ता, नीलम अग्रवाल विधि गुप्ता, रजनी गुप्ता, रंजना, रीतु गुप्ता, नीरा गर्ग, कौशल्या आदि मौजूद रही।

दुर्घटना

## हरियाणा के करनाल से जा रही ईको कार खड़ी टैक्टर ट्राली से टकराई

# गंगा स्नान को हरिद्वार जा रहे दो वाहन हुए सड़क दुर्घटना के शिकार, छः लोगों की मौत 11 घायल

### मध्यप्रदेश से हरिद्वार जा रही बुलेरो जीप सिलेंडर लदे ट्रक से टकराई

भारत संवाद

सहारनपुर। जनपद में हरिद्वार को गंगा स्नान के लिए जा रही दो गाड़ियां सड़क दुर्घटना का शिकार हो गयी। इस भीषण सड़क हादसे में छः लोगों की मौत हो गयी और 12 लोग गंभीर रुप से घायल हो गये। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने

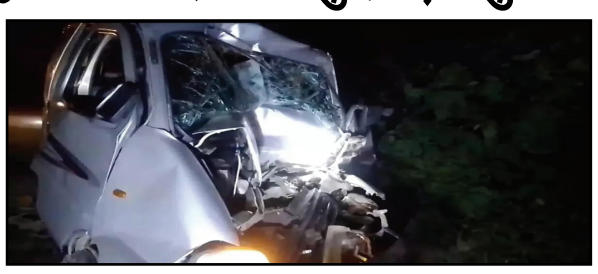

राहगीरों और लोगों की मदद से सभी को वाहन से बाहर निकाला और सभी को इलाज के लिए अस्पताल भेजा।मिली जानकारी के मुताबिक पहली घटना रात 12रू00 के करीब हुई। इको कार से हरियाणा के जिला करनाल के आठ लोग हरिद्वार स्नान करने के लिए ईको कार से जा रहे थे। नकुड़ थाना क्षेत्र में अंबेहटा के याकूबपुर पुलिया के पास जब वह पहुंच तो पहले से ही खड़ी एक खराब ट्रैक्टर ट्राली जिसमें खाद भरा हुआ था पीछे से टकरा गई। इस हादसे में कार में सवार रिंकू पुत्र ओमप्रकाश (40), मोतीपाल पुत्र पन्ना (60), पृथ्वी पुत्र आशाराम (60) की मौके पर ही मौत गई जबकि काढ़ा पुत्र गिरबर (55), काका पुत्र प्रेमचंद (35), सुभाष पुत्र धनसिंह (40) रामचंदर पुत्र सुनेहरा (50), वोण्डा उर्फ.रवि पुत्र बलराज (45) घायल हो गए। सूचना बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल भेजा है एवं मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए। पुलिस ने कार और ट्रैक्टर ट्रॉली को कब्जे में ले लिया है।दूसरी दुर्घटना शनिवार तड़के करीब 4 बजकर 30 मिनट हुई । यह हादसा तब हुआ जब गुना (मध्यप्रदेश) बुलेरो कार से हरिद्वार जा रहे श्रद्धालुओं का वाहन कुम्हारहेड़ा कट के पास सड़क किनारे खड़े एक इंडेन गैस सिलेंडर से लदे ट्रक से भीषण रूप से टकरा गया।

# सहारनपुर में तेजी से चल रहे विकास कार्यों: वाई पी सिंह

## सिडको चेयरमैन ने दी पत्रकारों को जानकारी!

भारत संवाद

सहारनपुर। भाजपा के महानगर प्रभारी एवं सिडको अध्यक्ष वाई. पी. सिंह ने कहा जनपद में विकास कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं और सरकार की योजनाओं को मूर्तरूप से धरातल पर लाया जा रहा है जिससे अंतिम छोर तक बैठे व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। सिडको चेयरमैन वाई पी सिंह आज दिल्ली रोड स्थित भारतीय

जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर पत्रकार वार्ता में विकास योजना की जानकारी दे रहे थे। उन्होंने बताया कि उनके विभाग द्वारा सहारनपुर जनपद में कई महत्वपूर्ण कार्य प्रगति पर हैं। गागलेहड़ी और तल्हेड़ी में सामुदायिक केंद्रों का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है, जो दिसंबर 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, राजकीय मेडिकल कॉलेज, सहारनपुर में 60 सीटों वाले बी.एस.सी. नर्सिंग कॉलेज का निर्माण अक्टूबर 2025 तक तथा 50 बिस्तरों वाले क्रिटिकल केयर सेंटर का निर्माण कार्य 15 सितंबर तक पूर्ण होने की संभावना है। बाई पी. सिंह ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि देशभर में सड़क नेटवर्क का विस्तार हुआ है, हर घर जल योजना के माध्यम से घर-घर नल कनेक्शन पहुंचाया गया है।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

## रुद्राक्ष की माला धारण करने के बाद इन बातों का जरूर रखें ध्यान

**भगवान शिव के प्रिय माह सावन में रुद्राक्ष धारण करने पर इससे जुड़े कुछ नियमों का पालन जरूर करना चाहिए। रुद्राक्ष पहनने वाले व्यक्ति को दीर्घायु का आशीर्वाद मिलता है और उसके तेज की वृद्धि भी होती है।**

रुद्राक्ष को काफी पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि रुद्राक्ष धारण करने से भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। ऐसे में इसे धारण करने से लेकर इसे पहनने के बाद भी कई नियमों का पालन करना जरूरी होता है। साथ ही कुछ परिस्थिति में भी रुद्राक्ष पहनने की मनाही होती है।

सनातन धर्म में रुद्राक्ष को विशेष स्थान प्राप्त है। इसे भगवान शिव के प्रतीक के तौर पर देखा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान शिव के आंसुओं के रुद्राक्ष का निर्माण हुआ था। मान्यता है कि रुद्राक्ष की माला धारण करने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है। हालांकि, रुद्राक्ष धारण करने के कई नियम भी है।

**इन्हें नहीं धारण करना चाहिए रुद्राक्ष**

### गर्भवती स्त्री

ज्योतिष के अनुसार गर्भवती महिला को रुद्राक्ष धारण नहीं करना चाहिए। अगर रुद्राक्ष की माला पहले से पहन रखी है तो, गर्भवती होने के बाद इसे उतार देना चाहिए। बच्चे के जन्म बाद दोबारा रूद्राक्ष धारण कर सकते हैं।

### तामसिक भोजन करने वाले व्यक्ति

ऐसे व्यक्ति तो तामसिक भोजन, यानी शराब और मांस का सेवन करते हैं, उन्हें रुद्राक्ष धारण नहीं करना चाहिए। माना जाता है कि इससे रुद्राक्ष अपवित्र हो जाता है, जिससे भविष्य में अशुभ परिणाम मिलते हैं।

### सोने के दौरान

सोते समय भी रुद्राक्ष धारण नहीं करना चाहिए। यदि आप सोने के दौरान तकिए के नीचे रुद्राक्ष रखकर सोते हैं, तो इससे बुरे सपने नहीं आते।

### ये हैं नियम

- रुद्राक्ष धारण करने से पहले इसके मूल मंत्र का 9 बार जाप करें।
- रुद्राक्ष धारण के बाद मांस-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए।
- शमशान घाट जाने से पूर्व रुद्राक्ष को उतारकर रख देना चाहिए
- रुद्राक्ष उतारने के बाद इसे पवित्र स्थान पर ही रखना चाहिए।
- रुद्राक्ष की माला का धागा लाल अथवा पीले रंग का होना चाहिए।
- महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान रुद्राक्ष पहनने से बचना चाहिए।
- अपनी रुद्राक्ष माला को किसी अन्य व्यक्ति को नहीं देना चाहिए।

# हरियाली तीज कब है, जानें सही तिथि शुभ मुहूर्त और महत्व

**सावन में पड़ने वाली हरियाली तीज का बहुत महत्व है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपनी पति की लंबी आयु के लिए व्रत करती हैं। हरियाली तीज का व्रत रखने से कुंवारी कन्याओं को मनचाहे वर की प्राप्ति होती है। देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की थी। तभी से यह व्रत रखा जाने लगा।**

हिंदू धर्म में हरियाली तीज पर्व का विशेष महत्व है। वहीं हरियाली तीज, जिसे सावन तीज या कुमार पक्ष की तीज के नाम से भी जाना जाता है। यह त्योहार भगवान शिव और देवी पार्वती के विवाह का प्रतीक है। यह त्योहार हर साल सावन महीने के दौरान शुक्ल पक्ष की तीसरी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं और विधिवत रूप से पूजा-पाठ करती हैं। ऐसा कहा जाता है कि इस दिन व्रत रखने से सुहागिन महिलाओं को सुख और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। हरियाली तीज का त्योहार पूरे भारत में बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार प्रेम, विवाह और पर्यावरण के प्रति भक्ति का प्रतीक है। अब ऐसे में इस साल हरियाली तीज कब है। हरियाली तीज के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है और इस दिन व्रत रखने का महत्व क्या है।

### हरियाली तीज कब है?

हरियाली तीज 2025 में 27 जुलाई, रविवार को मनाई जाएगी। हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन शुक्ल तृतीया तिथि 26 जुलाई को रात 10 बजकर 41 मिनट पर शुरू होगी और यह तिथि 27 जुलाई को रात 10 बजकर 41 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार, हरियाली तीज 27 जुलाई को मनाई जाएगी। इस दिन रवि योग का शुभ संयोग भी बन रहा है, जो शाम 4 बजकर 23 मिनट से शुरू होकर 28 जुलाई को सुबह 5 बजकर 40 मिनट तक रहेगा। रवि योग में पूजापाठ करना और व्रत रखना बहुत ही शुभ फल देने वाला माना जाता है।

### हरियाली तीज व्रत का महत्व क्या है?

सावन माह में ही भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए माता पार्वती ने तपस्या की थी और निर्जला व्रत किया था। इसके पश्चात शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन ही मां पार्वती के कठोर तप और निर्जला व्रत से प्रसन्न होकर भगवान शिव उनके सामने साक्षात प्रकट हुए थे और उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। तभी से इस सावन माह में ऐसा कहा जाता है कि जो व्यक्ति हरियाली तीज के दिन व्रत रखता है और पूजा-पाठ करता है। उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है।

# हरियाली तीज के दिन पूजा थाली में जरूर शामिल करें ये चीजें, व्रत का मिलेगा पूर्ण फल

सुपारी श्री गणेश का प्रतीक मानी जाती है और श्री गणेश भगवान शिव एवं माता पार्वती के पुत्र हैं। ऐसे में संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाली सुहागिनों को हरियाली तीज की पूजा में सुपारी रखनी चाहिए। हिन्दू पंचांग के अनुसार, साल में कुल 3 तीज मनाई जाती हैं। इन्हीं में से एक है हरियाली तीज जो इस साल 27 जुलाई को पड़ रही है। हरियाली तीज के दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा होती ई। ऐसे में पूजा की थाली तैयार करते समय कुछ चीजों को जरूर शामिल करना चाहिए।

### हरियाली तीज पर पूजा थाली में रखें पान के पत्ते

पान के पत्ते में भगवान विष्णु का वास माना गया है। इसके अलावा, पान के पत्ते का मध्य भाग मां लक्ष्मी का स्थान है। वैवाहिक जीवन के सभी रीति-रिवाज भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के सानिध्य में होते हैं। ऐसे में हरियाली तीज पर पूजा थाली में पान के पत्ते अवश्य शामिल करें।

### हरियाली तीज पर पूजा थाली में रखें कुमकुम

कुमकुम सिहागिन स्त्री की पहचान माना जाता है। इसके अलावा, कुमकुम वैवाहिक जीवन की संपन्नता को भी दर्शाता है। हरियाली तीज की पूजा वैवाहिक जीवन को खुशहाल बनाए रखने के लिए की जाती है। ऐसे में इसे भी पूजा थाली में अवश्य शामिल करें एवं माता पार्वती को भी चढ़ाएं।

### हरियाली तीज पर पूजा थाली में रखें अक्षत

चावल को शास्त्रों में धन आकर्षित करने वाला बताया गया है, लेकिन इसके अलावा अक्षत को सुख-समृद्धि का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे में हरियाली तीज की पूजा थाली में अक्षत जरूर रखें। इससे वैवाहिक जीवन समृद्ध बनेगा और पारिवारिक क्लेश से भी छुटकारा मिल जाएगा।

### पूजा थाली में रखें पांच सुपारी

सुपारी का तीज पूजा में बहुत महत्व है। सुपारी श्री गणेश का प्रतीक मानी जाती है और श्री गणेश भगवान शिव एवं माता पार्वती के पुत्र हैं। ऐसे में संतान प्राप्ति की इच्छा रखने वाली सुहागिनों को हरियाली तीज की पूजा में सुपारी रखनी चाहिए। इससे संतान का भाग्य भी खुलता है।

# भगवान शिव को पाने के लिए पार्वती जी ने रखा था हरियाली तीज का व्रत

सावन के महीने का हर दिन अपने आप में महत्वपूर्ण माना जाता है। सावन माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन हरियाली तीज का व्रत रखा जाता है। हरियाली तीज को हरतालिका तीज भी कहा जाता है। इस साल हरियाली तीज का व्रत 27 जुलाई को रखा जाने वाला है। हरियाली तीज पर्व को सुहागिन महिलाएं पूरे विधि-विधान से मनाती हैं। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। वहीं, कुंवारी कन्याएं अच्छे वर की प्राप्ति के लिए इस दिन व्रत रखती हैं। हरियाली तीज के दिन महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं। इस दिन हरे रंग का विशेष महत्व होता है। ऐसे में सुहागिन महिलाएं हरी साड़ी, हरी चूड़ियां पहनती हैं। इस दिन पूजा के साथ-साथ व्रत कथा का भी बहुत महत्व होता है। हरियाली तीज व्रत कथा के बिना अधूरा माना जाता है। आइए, जानते हैं कि हरियाली तीज की व्रत कथा क्या है।

### हरियाली तीज की व्रत कथा

एक बार जब भगवान शिव ने मां पार्वती को उनके पिछले जन्म की याद दिलाई, तो उन्होंने कहा, हे पार्वती! तुमने मुझे पति रूप में पाने के लिए हिमालय पर कठिन तपस्या की थी। तुमने सर्दी, गर्मी, बरसात आदि सभी ऋतुओं में अन्न-जल ग्रहण किए बिना बहुत कष्ट उठाया। आपकी तपस्या को देखकर आपके पिता पर्वतराज बहुत दुखी हुए। तब एक दिन नारद मुनि आपके घर आए और आपके पिता से कहा कि मैं भगवान श्री हरि विष्णु की आज्ञा से यहां आया हूं। विष्णु जी तुम्हारी पुत्री की तपस्या से बहुत प्रसन्न हैं और उससे विवाह करना चाहते हैं, तो आपके पिता नारद मुनि की बातें सुनकर बहुत प्रसन्न हुए और नारद जी से कहा कि उन्हें विवाह का प्रस्ताव स्वीकार है। यह सुनकर नारद मुनि भगवान विष्णु के पास जाते हैं और उन्हें इसकी जानकारी देते हैं। घने जंगल में चली गई थीं देवी पार्वती इसके बाद भगवान शिव, माता पार्वती से कहते हैं कि जब तुम्हारे पिता ने तुम्हें यह समाचार दिया, तो तुम्हे बहुत दुख हुआ। क्योंकि तुमने मुझे अपना पति मान लिया था। इसके बाद आपने अपना दर्द अपनी सखी को बताया। तब तुम्हारी सखी ने सुझाव दिया कि तुम घने जंगल में रहो। उसके बाद तुम बिना किसी को बताए वन में चली गई और मुझे प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या की। जब तुम्हारे पिता को तुम्हारे अचानक गायब होने का पता चला, तो वे बहुत चिंतित हुए। वह सोचने लगे कि यदि इसी बीच भगवान विष्णु बारात लेकर आ गये तो क्या होगा।

### रेत का शिवलिंग बनाकर की तपस्या

जिसके बाद तुम्हारे पिता ने तुम्हें ढूंढते हुए धरती-पाताल एक कर दिया था। लेकिन वह तुम्हें ढूंढ नहीं सके, क्योंकि उस समय तुम एक गुफा में रेत से शिवलिंग बनाकर मेरी पूजा करने में पूरी तरह लीन थी। तब मैं तुम्हारी तपस्या से प्रसन्न हुआ और मैंने तुम्हारी मनोकामना पूर्ण करने का वचन दिया। तभी इसी बीच तुम्हारे पिता तुम्हें ढूंढते हुए गुफा के पास आ गए और तब तुमने उन्हें अपनी सारी कहानी बताई। आपने उन्हें बताया कि मैंने शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए अपना जीवन तपस्या में बिताया और अंततः वह तपस्या सफल हुई। तब आपने अपने पिता से कहा कि मैं आपके साथ तभी घर लौटूंगी, जब आप मेरा विवाह शिव से ही कराएंगे। तब पर्वतराज सहमत हुए और यह सुनिश्चित किया कि हमारा विवाह सभी रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाए।

# आपके जीवन से जुड़ा है भगवान शिव के इन प्रतीकों का रहस्य

**भगवान शिव की वेशभूषा सबसे भिन्न और निराली है। जब भी भगवान शिव के बारे में जानना हो, उनके रूप के बारे में जानना हो तो उनके कुछ खास प्रतीक चिह्न हैं जिनके जरिये यह पहचाना जा सकता है कि आपके आसपास भगवान शिव का वास बना हुआ। हालांकि ज्योतिष में तो इन प्रतीकों को घर पर रखने का भी खासा महत्व बताया गया है।**

भगवान शिव के ये प्रतीक आपके और हमारे जीवन से जुड़े हुए हैं और हम सभी को यह संकेत देते हैं कि भगवान की कृपा पर बनी हुई है। भगवान शिव के इन प्रतीकों का अपना अलग-अलग महत्व है और इनसे जुड़ा अपना-अपना रहस्य भी है। तो चलिए जानते हैं भोलेनाथ महादेव के इन प्रतीक चिह्नों और इनसे मिलने वाले संकेतों के बारे में।

**अर्ध चंद्र** - भगवान शिव के मस्तक पर अर्ध चंद्र स्थापित है जो समय का प्रतीक माना जाता है। हमारे जीवन से इसका संबंध यह है कि जिसने अपने चंचल मन को थोड़ा भी सीमित कर लिया उसके भीतर भगवान शिव (भगवान शिव के आगे क्यों नहीं लगता श्री) की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

**त्रिनेत्र** - भगवान शिव की तीन आंखें हैं। तीसरी आंख का अर्थ है उन चीजों का अनुभव करना जिन्हें सामान्य दृष्टि से देखा ना जा सके। हमारे जीवन से इसका संबंध यह है कि जिसने भी अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक रूप से थोड़ा भी भिन्न किया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

**त्रिशूल** - भगवान शिव का त्रिशूल न सिर्फ शस्त्र है बल्कि मानव शरीर में मौजूद नाड़ियों का सूचक माना जाता है। इसका हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी सही ज्ञान अर्जित किया और उस ज्ञान का सांसारिक उन्नति के लिए प्रयोग किया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

**रुद्राक्ष** - रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आसुओं से हुई है। रुद्राक्ष निर्माण के प्रतीक के तौर पर जाना जाता है। रुद्राक्ष (रुद्राक्ष धारण करने के नियम) का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपनी कला या प्रभु भक्ति से अपने भीतर किसी नवीन शक्ति का निर्माण किया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

**सर्प** - भगवान शिव के गले में विराजमान सर्प समय चक्र को दर्शाता है। सर्प का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी भूत, वर्तमान और भविष्य में भी प्रभु भक्ति को चुन हर जीव की सेवा की है उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

**डमरू** - भगवान शिव का डमरू इस अबत का प्रतीक माना जाता है कि अपने अवगुणों पर विजय कैसे पाई जाए। डमरू का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपने अवगुणों को दूर करने का प्रयास किया हो और उसमें थोड़ा भी सफल हुआ हो तो उस व्यक्ति में भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

**बाघ की छाल** - भगवान शिव को बाघाम्बर कहा जाता है क्योंकि वह मृत बाघ की छाल के आसन पर बैठते हैं जी इस बात का प्रतीक है कि अपनी शक्ति पर अहंकार न करें। बाघ की छाल का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपनी अहंकार को त्याग दिया उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

**त्रिपुंड** - भगवान शिव का त्रिपुंड तिलक उनके मस्तक पर धारित 27 देवताओं और ध्यान का प्रतीक माना जाता है। त्रिपुंड का हमारे जीवन से यह संबंध है कि जिसने भी अपने भीतर 36 में से 27 गुणों को ध्यान शक्ति को जागृत किया है उसमें भगवान शिव की ऊर्जा का स्रोत उत्पन्न हो चुका है।

# थाईलैंड-कंबोडिया संघर्ष में मौत का आंकड़ा 33 हुआ

## कंबोडिया बोला- पड़ोसी देश जानबूझकर जंग बढ़ा रहा, यूएन से संघर्ष रुकवाने की मांग

एजेंसी

बैंकॉक, थाईलैंड और कंबोडिया के बीच एक हजार साल पुराने दो शिव मंदिरों को लेकर शुरू हुआ संघर्ष तीसरे दिन भी जारी है। इस संघर्ष में अब तक 33 लोगों की मौत हो गई है। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक लड़ाई में उसके 13 लोगों की मौत हुई है। इनमें 8 नागरिक और 5 सैनिक शामिल हैं। इसके अलावा 71 लोग घायल हुए हैं। वहीं, थाईलैंड के भी 20 लोग मारे गए हैं। इनमें 14 नागरिक और 6 सैनिक शामिल है। कंबोडिया ने थाईलैंड पर जानबूझकर हमला करने का आरोप लगाया है और कहा है कि थाई सेना उनकी संप्रभुता का उल्लंघन कर रही है। कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने शनिवार को दावा किया कि मलेशिया की मध्यस्थता में 24 जुलाई की रात दोनों ही देश सीजफायर पर समहत हुए थे, लेकिन समझौते पर पहुंचने के 1 घंटे से भी कम वक्त में थाईलैंड ने अपना रुख बदल दिया और समझौते से हट गया। यूएन सुरक्षा परिषद की इमरजेंसी बैठक में कंबोडिया ने जंग को रुकवाने

की मांग की है। इस मीटिंग में थाईलैंड ने कंबोडिया पर सीमावर्ती इलाके में बारूदी सुरंगें बिछने का आरोप लगाया। थाई राजदूत ने कहा कि कंबोडिया ने ही हमले शुरू किए। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने शुक्रवार को न्यूयॉर्क में बंद कमरे में एक आपात बैठक की। इसमें सभी 15 देशों ने दोनों पक्षों से संयम बरतने और कूटनीतिक समाधान निकालने की अपील की। विवाद को देखते हुए थाईलैंड स्थित भारतीय दूतावास ने एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है। इसमें भारतीय नागरिकों से थाईलैंड और कंबोडिया सीमा के पास 7 राज्यों में जाने से बचने की अपील की गई है। इनमें उबोन रत्चथानी, सुरिन, सिसाकेत, बुरीराम, सा काओ, चंथाबुरी और ट्राट शामिल हैं। इसके अलावा इमरजेंसी की स्थिति में दूतावास से संपर्क करने के लिए कहा गया है। कंबोडिया ने जंग शुरू होने के बाद पहली बार हताहतों की संख्या बताई है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक अब तक 13 लोगों की मौत हुई है, जिसमें 5 सैनिक हैं। वहीं, 71 घायल हुए हैं, जिसमें 21 सैनिक हैं। सबसे ज्यादा नुकसान ओड्डार मीनचे प्रांत में हुआ है। लड़ाई की वजह से हजारों लोगों को सुरक्षित जगहों पर पलायन करना पड़ा है। कंबोडिया में 35 हजार से ज्यादा लोगों को पलायन करना पड़ा है। ओड्डार मीनचे में 22,000 लोग पलायन कर गए हैं, जबकि प्रीह विहियर में 10,000 से ज्यादा लोग पलायन कर गए हैं। थाईलैंड रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता माली सोचेता ने कहा कि थाईलैंड ऐसी परिस्थितियां तैयार कर रहा है जिससे उसे कंबोडिया पर और हमला करने की वजह मिल जाएगी। जैसे थाईलैंड दावा कर रहा है कि कंबोडियाई सेना ने बॉर्डर पर एंटी पर्सनल माइंस बिछाई हैं। यह जानबूझकर किया गया था, ताकि कंबोडिया पर हमले का बहाना बनाया जा सके। थाईलैंड और कंबोडिया का इतिहास लंबे समय तक खमेर साम्राज्य (कंबोडिया) और सियाम साम्राज्य (थाईलैंड) के बीच टकरावों से जुड़ा रहा है। फ्रांस और ब्रिटिश शासन के दौरान भी दोनों देशों की सीमाओं को तनाव था, जिसकी वजह से प्रीह विहियर और ता मुएन थॉम मंदिरों के आसपास की जमीन पर अधिकार को लेकर कानूनी और राजनीतिक विवाद लगातार चलता रहा था। 1907 में जब कंबोडिया फ्रांस के अधीन था तब दोनों देशों के बीच 817 किमी की लंबी सीमा खींची गई थी।

# ट्रम्प बोले- हमास की वजह से सीजफायर डील टूटी

## कहा- काम खत्म करने का वक्त आ गया, हमास से छुटकारा पाना होगा

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गाजा में सीजफायर डील पर बातचीत टूटने के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया है। इससे कुछ हफ्ते पहले ट्रम्प ने कहा था कि गाजा में जल्द सीजफायर और बंधकों की रिहाई के लिए समझौता जल्द हो सकता है। इस हफ्ते ट्रम्प प्रशासन ने दोहा में चल रही बातचीत से अपने वार्ताकारों को वापस बुला लिया था। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने शुक्रवार को कहा कि इजराइली बंधकों की रिहाई में हमास

सबसे बड़ी रुकावट है। यरूशलम पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने बताया कि इजराइल और अमेरिका अब मिलकर इस संकट से निपटने के लिए रास्ता खोज रहे हैं। फ्रांस जल्द ही फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देगा। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा कि वह सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान इस मान्यता को औपचारिक रूप से घोषित करेंगे। फिलिस्तीनी अथॉरिटी ने फ्रांस के फैसले पर खुशी जताई हैं, वहीं इजराइल ने इसका विरोध किया है। फ्रांस फिलिस्तीन को आधिकारिक मान्यता देने वाला सबसे बड़ा पश्चिमी देश है। अब तक 140 से अधिक देश फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता दे चुके हैं। इनमें कई यूरोपीय देश भी शामिल हैं। फिलिस्तीनी लोग एक स्वतंत्र राज्य की मांग कर रहे हैं। इसमें वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम और गाजा पट्टी का क्षेत्र शामिल है। इन पर इजराइल ने 1967 की मिडिल ईस्ट वॉर के दौरान कब्जा कर लिया था। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों शुक्रवार को ब्रिटेन और जर्मनी के नेताओं के साथ गाजा के हालात, भूख से जूझ रहे लोगों तक मदद पहुंचाने और युद्ध को रोकने पर आपात बैठक वाले हैं। फ्रांस में यूरोप की सबसे बड़ी यहूदी और मुस्लिम आबादी रहती है। मिडिल-ईस्ट में होने वाला तनाव का असर फ्रांस में भी दिखाई देता है। मैक्रों ने 7 अक्टूबर को हमास के इजराइल पर हमले के बाद इजराइल के समर्थन में बयान दिया था।

# पाकिस्तान भारत से बातचीत को तैयार

## नई दिल्ली के जवाब का इंतजार, बोले विदेश मंत्री इशाक डार

एजेंसी

भारत के साथ शांति वार्ता की एक पहल के रूप में पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने व्यापार और आर्थिक सहयोग से लेकर आतंकवाद-निरोध तक, कई मुद्दों पर बातचीत के लिए इस्लामाबाद की इच्छा दोहराई है। हालाँकि, डार ने यह भी कहा कि गेंद अब भारत के पाले में है और पाकिस्तान अभी भी नई दिल्ली से औपचारिक प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। अटलांटिक काउंसिल थिंक टैंक के साथ बातचीत के दौरान डार ने कहा कि पाकिस्तान व्यापार से लेकर आतंकवाद-निरोध तक सभी मोर्चों पर भारत के साथ काम करने और सहयोग करने के लिए तैयार है। उन्होंने सार्थक वार्ता की आवश्यकता पर बल दिया और समग्र वार्ता को फिर से शुरू करने का आान किया, जो एक ऐसा ढांचा है जिसका उपयोग कभी दोनों देशों द्वारा कश्मीर, सुरक्षा, लोगों के बीच आदान-प्रदान और आर्थिक संबंधों सहित द्विपक्षीय चिंताओं को दूर करने के लिए किया जाता था। डार का यह प्रस्ताव ऑपरेशन सिंदूर के तुरंत बाद आया है, जिसमें भारत ने पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान में नौ आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया था। पहलगाम हमले में बैसरन घाटी में 26 निर्दोष पर्यटकों की निर्दयतापूर्वक हत्या कर दी गई थी। भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव के मुद्दे पर डार ने द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार सहयोग, क्षेत्रीय स्थिरता, आतंकवाद निरोध और वैश्विक शांति पहलों पर चर्चा करने के लिए वाशिंगटन में संयुक्त राज्य अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की। उन्होंने युद्ध विराम की सुविधा प्रदान करके और दो परमाणु-सशस्त्र राज्यों के बीच व्यापक संघर्ष को टालकर देशों के बीच तनाव को कम करने में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और रुबियो द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत लगातार यह कहता रहा है कि युद्धविराम समझौता भारतीय और पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व के बीच एक द्विपक्षीय निर्णय था,

जिसमें किसी तीसरे पक्ष की कोई भागीदारी नहीं थी। आतंकवाद के मोर्चे पर, विदेश मंत्री ने द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को एक विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और एक विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) के रूप में नामित करने के संयुक्त राज्य अमेरिका के फैसले पर भी अपना रुख बदलते हुए दिखाई दिए।

> "डार ने यह भी कहा कि गेंद अब भारत के पाले में है और पाकिस्तान अभी भी नई दिल्ली से औपचारिक प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहा है। अटलांटिक काउंसिल थिंक टैंक के साथ बातचीत के दौरान डार ने कहा कि पाकिस्तान व्यापार से लेकर आतंकवाद-निरोध तक सभी मोर्चों पर भारत के साथ काम करने और सहयोग करने के लिए तैयार है।

# पाकिस्तान में टिकटॉक क्रिएटर की जहर देकर हत्या

## शादी से इनकार करने पर मार डाला; मां-बेटी के 1 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान के सिंध प्रांत के घोटकी जिले में टिकटॉक क्रिएटर सुमीरा राजपूत की शनिवार को उनके घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनकी 15 साल की बेटी ने दावा किया कि कुछ लोग सुमीरा पर जबरन शादी का दबाव बना रहे थे। जब सुमीरा ने इससे इनकार किया तो उन्हें जहरीली गोलियां देकर हत्या कर दी गई। सुमीरा राजपूत एक जानी-मानी डिजिटल कंटेंट क्रिएटर थीं, जिनके टिकटॉक पर 58,000

फॉलोअर्स और 10 लाख से ज्यादा लाइक्स थे। उनकी बेटी भी टिकटॉक पर एक्टिव है और उसके भी 58,000 फॉलोअर्स हैं। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया है। वहीं, घोटकी जिला पुलिस अधिकारी अनवर शेख ने बेटी के दावे की पुष्टि की है। हालांकि, अभी तक इस मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। पाकिस्तान में पिछले महीने भी 17 साल की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सना यूसुफ की इस्लामाबाद में उनके ही घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमलावर मैट्रिक पास और बेरोजगार था और बेहद गरीब परिवार से आता है। उसने सना को कई बार प्रपोज किया था लेकिन उसने हर बार मना कर दिया था। आरोपी ने पहले सना से घर के बाहर कुछ देर बात की और फिर घर के अंदर आकर गोलियां चलाईं। सना को बहुत नजदीक से दो गोलियां लगी थी, जिसके बाद उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पाकिस्तान में पहले भी कई सोशल मीडिया स्टार की हत्या हो चुकी है। 9 साल पहले कंदील बलोच नाम की सोशल मीडिया स्टार की घर में ही हत्या कर दी गई थी। कंदील बलोच पाकिस्तान की पहली सोशल मीडिया सेलिब्रिटी मानी जाती थीं। कंदील ने अपने बोल्ड और विवादास्पद वीडियो और पोस्ट्स के जरिए सुर्खियां बटोरीं, जिसमें वो अपनी रोजमर्रा की जिंदगी और महिलाओं के अधिकार पर बात करती थीं।

# कांग्रेस पर भड़के शिवराज, कारगिल और ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाना 'महापाप', बोले- ये देशद्रोह जैसा

एजेंसी

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी पर पाकिस्तान की भाषा बोलने और कारगिल विजय दिवस पर बेवजह सवाल उठाने का आरोप लगाते हुए तीखा हमला बोला। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का विरोध करने की कोशिश में कांग्रेस देश का ही विरोध कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कारगिल विजय दिवस पर भी सवाल उठाती है। 2004 से 2009 तक, जब यूपीए सत्ता में थी, कारगिल विजय दिवस नहीं मनाया गया। यहाँ तक कि एक कांग्रेस सांसद ने भी कहा था कि हम जश्न क्यों मनाएँ? वह युद्ध एनडीए सरकार के दौरान लड़ा गया था। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जब देश युद्ध लड़ता है, तो क्या वह किसी सरकार के लिए करता है? क्या ऐसे सवाल उठाना देशभक्ति है? कांग्रेस न केवल कारगिल, बल्कि ऑपरेशन सिंदूर पर भी सवाल उठाने का पाप कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस का रवैया राष्ट्र-विरोधी होने की हद तक पहुँच गया है और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हमेशा सैनिकों की बहादुरी का सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह रवैया राष्ट्र-विरोधी होने की हद तक जाता है। प्रधानमंत्री का विरोध करते-करते वे देश का ही विरोध करने लगे। वे पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं। लेकिन हम अपने सैनिकों की बहादुरी के आगे नतमस्तक हैं। चौहान कांग्रेस नेता राशिद अल्वी द्वारा 2009 में दिए गए उस बयान का ज़िक्र कर रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि कारगिल जश्न मनाने की चीज नहीं है और एनडीए जश्न मना सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि चूँकि यह युद्ध प्रधानमंत्री अटल वाजपेयी के नेतृत्व में हुआ था, इसलिए यह पूरे देश की नहीं, बल्कि गठबंधन की जीत थी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर भी हमला बोलते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी नेता सिर्फ.गलत काम करते हुए लगातार माफी मांगना जानते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कैसे लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आपातकाल, राफेल सौदे, सिख दंगों समेत कई चीजों के लिए माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि अगर वह आज कुछ गलत करेंगे।

> शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जब देश युद्ध लड़ता है, तो क्या वह किसी सरकार के लिए करता है? क्या ऐसे सवाल उठाना देशभक्ति है? कांग्रेस न केवल कारगिल, बल्कि ऑपरेशन सिंदूर पर भी सवाल उठाने का पाप कर रही है।

# दुख है ऐसी सरकार के समर्थन पर...

## चिराग पासवान ने बिहार में अपराध पर नीतीश सरकार को घेरा

> चिराग पासवान ने आगे कहा कि यह सही है कि इस घटना की निंदा आवश्यक है, लेकिन ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? अपराधों का एक सिलसिला सा चल पड़ा है। अगर यह ऐसे ही चलता रहा, तो स्थिति भयावह होगी, बल्कि, स्थिति भयावह हो गई है।

एजेंसी

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने शनिवार को बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें अपराध पर अंकुश लगाने में असमर्थ सरकार का समर्थन करने में दुख हो रहा है। एनडीए सरकार में केंद्रीय मंत्री पासवान ने कहा कि बिहार में प्रशासन हत्या, अपहरण, डकैती और बलात्कार की घटनाओं को रोकने में पूरी तरह से असमर्थ है। चिराग पासवान ने कहा कि बिहार में जिस तरह से अपराध हो रहे हैं, प्रशासन अपराधियों के सामने पूरी तरह से नतमस्तक हो गया है। चिराग पासवान ने आगे कहा कि यह सही है कि इस घटना की निंदा आवश्यक है, लेकिन ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? अपराधों का एक सिलसिला सा चल पड़ा है। अगर यह ऐसे ही चलता रहा, तो स्थिति भयावह होगी, बल्कि, स्थिति भयावह हो गई है। पासवान ने राज्य सरकार पर या तो स्थिति को छिपाने का प्रयास करने या स्थिति को संभालने में असमर्थ होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अगर यह कहा जा रहा है कि यह चुनाव के कारण हो रहा है, तो मैं यह भी कह सकता हूं कि ऐसा हो सकता है, यह सरकार को बदनाम करने की साजिश हो सकती है, लेकिन फिर भी, इसे नियंत्रित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। आपके प्रशासन में अपराधी कैसे बच निकल रहे हैं... या प्रशासन स्थिति को छिपाने की कोशिश कर रहा है, या प्रशासन स्थिति को संभालने में पूरी तरह से असमर्थ है।उन्होंने कहा, ₹मुझे दुख है कि मैं ऐसी सरकार का समर्थन कर रहा हूं जहां अपराध अनियंत्रित हो गया है।₹ लोजपा (रालोद) नेता की यह टिप्पणी गया में होमगार्ड भर्ती अभियान में भाग ले रही 26 वर्षीय एक महिला के साथ एम्बुलेंस के अंदर कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार की घटना के बाद आई है। यह घटना 24 जुलाई को हुई थी जब शारीरिक परीक्षण के दौरान बेहोश होने के बाद उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था। यह पहली बार नहीं है जब एनडीए सहयोगी ने कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर नीतीश के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर हमला किया है।

# इलाहाबाद हाईकोर्ट की बड़ी फटकार

## मरीज एटीएम नहीं, निजी अस्पतालों की मनमानी पर रोक

> मरीजों से पैसे ऐंठने वाले निजी अस्पतालों पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है, कहा है कि उन्हें 'एटीएम' की तरह नहीं देखा जा सकता। एक गर्भवती महिला की मौत के मामले में डॉक्टर की याचिका खारिज करते हुए कोर्ट ने जोर दिया कि बुनियादी ढांचे और डॉक्टरों की कमी के बावजूद मरीजों को लुभाना अस्वीकार्य है। यह निर्णय चिकित्सा लापरवाही के खिलाफ एक मजबूत संदेश है।

एजेंसी

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मरीजों के साथ गिनी पिग या एटीएम मशीन जैसा व्यवहार किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की है और एक गर्भवती महिला की मौत के मामले में उनके खिलाफ शुरू की गई आपराधिक कार्रवाई के खिलाफ एक डॉक्टर की याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार ने कहा कि आजकल नर्सिंग होम और अस्पतालों में अपर्याप्त डॉक्टरों या बुनियादी ढांचे के बावजूद मरीजों को इलाज के लिए लुभाना आम बात हो गई है। अदालत ने कहा कि चिकित्सा सुविधाओं ने मरीजों से पैसे ऐंठने के लिए उन्हें गिनी पिग/एटीएम मशीन की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इसलिए, अदालत ने नर्सिंग होम के मालिक डॉ. अशोक कुमार राय की याचिका खारिज कर दी, जिन्होंने एक गर्भवती महिला को प्रसव और सर्जरी के लिए भर्ती किया था, जबकि एनेस्थेटिस्ट नर्सिंग होम में देर से पहुँचा था और भ्रूण की मृत्यु हो गई थी। डॉक्टर ने इस मामले में अपने खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही को चुनौती दी थी। अदालत ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि चिकित्सा पेशेवरों को संरक्षण मिलना चाहिए, लेकिन उन लोगों को नहीं जो बिना उचित सुविधाओं, बुनियादी ढांचे या डॉक्टरों के नर्सिंग होम चला रहे हैं

# देश में किसान से ज्यादा स्टूडेंट कर रहे आत्महत्या

> देश में छात्रों की आत्महत्याएं किसानों से भी ज्यादा चिंताजनक हैं! सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए इसे 'कुछ तो गड़बड़' बताया है। ठउफइ के अनुसार, 2022 में 13 हजार से अधिक छात्रों ने जान दी। मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और अकादमिक दबाव के चलते बढ़ते इन मामलों पर रउ ने 15 सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं, जिनमें काउंसलर, उत्पीड़न रोकथाम और हॉस्टल सुरक्षा शामिल है, ताकि युवा जीवन बचाया जा सके।

## सुप्रीम कोर्ट ने कहा भी कहना पड़ा- कुछ तो गड़बड़ है?

एजेंसी

तुझे सूरज कहूँ या चंदा, तुझे दीप कहूँ या तारा, मेरा नाम करेगा रोशन जग में मेरा राज दुलारा₹ 70 के दशक में आई फिल्म एक फूल दो माली के गीत को सुनने पर वो इंस्पिरेशन दिखती है जो माता- पिता अपने बच्चों में देखते हैं। जब उन्हें लगता है कि बेटा बड़ा होगा या बेटी बड़ी होगी तो कुछ अच्छा, नया, इनोवेटिव करेगी। कुल का नाम रोशन करेगा। लेकिन हो क्या रहा है? देश की सर्वोच्च अदालत ने बकायदा संज्ञान लेकर कहा है कि कैंपस में कुछ तो ऐसा गलत चल रहा है, जिस पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। सबसे

बड़ी बात ये है कि कोर्ट ने सुओ मोटो यानी स्वतः संज्ञान लिया है। क्या है पूरा मामला और सुप्रीम कोर्ट ने इस पर क्या कहा तमाम मसलों पर बात करेंगे। एक तो आपने आईआईटी खड़गपुर की बात सुनी होगी जहां पर चतुर्थ वर्ग के अंडरग्रैजुएट लड़के ने सुसाइड कर लिया। दूसरा मामला ग्रेटर नोएडा की शादरा यूनिवर्सिटी से जुड़ा है। वहां पर बीडीएस यानी बैचलर ऑफ डेंटल सर्जन की स्टूडेंट ज्योति शर्मा ने हास्टल के कमरे में सुसाइड कर लिया। उसने दो फैकल्टी मेंबर का नाम आगे किया कि इनकी वजह से सुसाइड किया। आपको कुछ महीने पहले की एक घटना याद होगी जब नेपाल की एक लड़की ने एक लड़के की वजह से आत्महत्या कर लिया था। आत्महत्या जैसे विषयों की बात करें तो बहुत बार ये चर्चा में आता है। आखिर बच्चे अपने प्राण क्यों ले लेते हैं? कई बार ऐसी चीज हम नई जनरेशन पर थोप देते हैं कि नई जनरेशन ही ऐसी है कि जल्दी हार मान जाती है। वो परिवार जो बहुत आशाओं से अपने बच्चे को पढ़ने के लिए भेजता है। पैसा बचाकर, जुटाकर खुद सस्ते कन्वेंस के द्वारा ट्रैवल करता है। लेकिन कोशिश करता है कि बच्चा हमारा अच्छे से पढ़े। लेकिन बहुत से ऐसे कारण हैं जिन वजहों से बच्चे सुसाइड करने पर आ जाते हैं। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि कुछ तो गड़बड़ है जिसपर ध्यान दिए जाने की जरूरत है।